● वर्ष : 04 ● अंक : 320

● गाजियाबाद, सोमवार 20 अप्रैल 2026

● पृष्ठ-6 ● मूल्य : दो रूपये

● RNI No - UPHIN/2022/84480

E-mail: swastiksaharanews@gmail.com

www.swastiksahara.com

संगीत की धुनों में जो स्वर्ग की ऊंचाइयों तक पहूंची है, वह है एक स्नेहभरे दिल की धड़कन।

नई दिल्ली, हरियाणा, गुरुग्राम, लखनऊ, नोएडा, मेरठ, हापुड़ और एनसीआर में सर्वाधिक प्रसारित

स्वास्तिक सहारा

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

4 मई के बाद एक्शन होगा, कोई बचेगा नहीं

टीएमसी को पीएम मोदी की सीधी चेतावनी

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

बिष्णुपुर। पश्चिम बंगाल के बिष्णुपुर में 'विजय संकल्प सभा' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य के लिए कई बड़े वादे किए। उन्होंने कहा कि बंगाल में इखढ की सरकार बनने पर गरीबों को मुफ्त राशन मिलेगा, जिसे कोई छीन नहीं पाएगा। बिष्णुपुर में 'विजय संकल्प सभा' के दौरान पीएम मोदी ने बंगाल की महिलाओं के लिए कई आर्थिक लाभों की घोषणा की।

आवास योजना: पक्के घर के लिए 1.5 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी।

स्वास्थ्य सुरक्षा: महिलाओं को आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा।

वित्तीय सहायता: 'मातृ शक्ति भरोसा कार्ड' के जरिए महिलाओं को हर साल 36,000 रुपये मिलेंगे।

अन्य मदद: गर्भवती महिलाओं को 21,000 रुपये, बच्चे के जन्म पर 5,000 रुपये और बेटियों की पढ़ाई के लिए 50,000 रुपये की मदद दी जाएगी।

प्रधानमंत्री ने टीएमसी सरकार पर राज्य में भ्रष्टाचार और केंद्रीय योजनाओं को रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि टीएमसी को आदिवासी महिलाओं से नफरत है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अपमान करने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि टीएमसी ने आदिवासी नेता के खिलाफ अपना उम्मीदवार खड़ा किया, ठीक वैसे ही जैसे कांग्रेस ने कभी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के खिलाफ किया था। पीएम ने इसे संविधान की भावना के खिलाफ बताया।

टीएमसी नेताओं और गुंडों को खुली चेतावनी

प्रधानमंत्री ने टीएमसी के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके बड़े नेताओं की भाषा ही असली 'एग्जिट पोल' है, जिससे पता चलता है कि वे हार के डर से बौखला गए हैं। पीएम मोदी ने बिष्णुपुर में सिंडिकेट और भ्रष्ट लोगों को सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि टीएमसी के सभी गुंडों को 29 अप्रैल से पहले अपने नजदीकी पुलिस स्टेशनों में जाकर सरेंडर कर देना चाहिए, क्योंकि 4 मई के बाद किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। अंत में उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता अब जाग गई है और इस बेरहम सरकार को हटाकर ही दम लेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डोनाल्ड ट्रंप के नियंत्रण में हैं: राहुल गांधी

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

रानीपेट (तमिलनाडु)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 'नियंत्रित' किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि अन्नाद्रमुक सत्ता में आए, ताकि वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को नियंत्रित कर सकें। गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने ''हमारी ऊर्जा सुरक्षा को दांव पर लगा दिया और हमारे डेटा को दूसरों के हवाले कर दिया, साथ ही हमारे किसानों और छोटे और मध्यम उद्योगों को बेच दिया।'' उन्होंने परिसीमन विधेयक पर कहा, ''कल

(संसद में) आपने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर आत्मविश्वास की पूरी कमी देखी।'' राहुल गांधी ने यहां एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''वह (प्रधानमंत्री) विपक्ष का सामना भी नहीं कर सके। वह अलग बैठे थे। इसका कारण यह है कि वह अमेरिका द्वारा नियंत्रित हैं। उन्होंने भारत-अमेरिका समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसने हमारे देश को बेच दिया।'' उन्होंने कहा, ''आज अगर डोनाल्ड ट्रंप मोदी को कूदने को कहें, तो मोदी कूद जाते हैं। अगर डोनाल्ड ट्रंप मोदी को लेटने को कहें, तो मोदी लेट जाते हैं। क्यों? क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप का मोदी पर पूरी तरह नियंत्रण है। वे उन्हें कैसे नियंत्रित करते हैं? वह एप्स्टीन फाइलों के जरिए नियंत्रित करते हैं। वह उन्हें नियंत्रित करते हैं, क्योंकि उन्हें मोदी की वित्तीय व्यवस्था का पता है और वह अदाणी के साथ मोदी के संबंधों को समझते हैं।'' राहुल गांधी ने कहा, '' जिस तरह ट्रंप, मोदी को नियंत्रित कर रहे हैं, वह भी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को उसी तरह नियंत्रित करना चाहते हैं।''

भाजपा का पतन शुरू हो गया, केंद्र में अल्पमत सरकार: ममता

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

हावड़ा। ममता ने 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने संबंधी संविधान संशोधन विधेयक को केंद्र द्वारा पारित कराने में नाकाम रहने के संदर्भ में यह बात कही। हावड़ा के उलुबेरिया और दक्षिण 24 परगना के बरुइपुर, भंगोर और सोनारपुर में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोला और दावा किया कि परिसीमन को महिला आरक्षण से जोड़ने का भाजपा का असफल प्रयास देश और बंगाल को विभाजित करने के ''असल खेल'' को उजागर करता है। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि

'संविधान (131वां) संशोधन विधेयक 2026' असल में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए नहीं था, बल्कि यह देश के चुनावी मानचित्र को फिर से तैयार करने और भाजपा को सत्ता में बने रहने में मदद करने के लिए एक राजनीतिक चाल थी। बनर्जी ने कहा, यह विधेयक कभी भी महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए नहीं था।

तमिलनाडु में गरजे अमित शाह, बोले- कांग्रेस और डीएमके ने महिलाओं संग किया 'महाविश्वासघात'

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के खिलाफ मतदान करने को लेकर कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर रविवार को तीखा हमला किया और उन पर संसद एवं विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण से वंचित कर उनसे ''विश्वासघात'' करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार इस ''साजिश'' को सफल नहीं होने देगी और देश की महिलाओं के लिए न्याय सुनिश्चित करेगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने 23 अप्रैल को होने वाले

विधानसभा चुनाव के लिए मोडक्कुरिची से अपनी पार्टी की उम्मीदवार कृतिका शिवकुमार के समर्थन में यहां आयोजित रोड शो में भरोसा जताया कि इस चुनाव के बाद राज्य में 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) प्रमुख ई. के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार बनाएगा।

शाह ने कहा, ''कांग्रेस और द्रमुक ने पूरे देश और तमिलनाडु की माताओं-बहनों को संसद और विधानसभाओं में (आरक्षण से) निश्चित रूप से वंचित किया है। तमिलनाडु के लिए (लोकसभा सीटों में) 50 प्रतिशत वृद्धि का मौका था लेकिन 2026 की जनगणना के आधार पर सीटें बढ़ाने पर जोर देकर उन्होंने तमिलनाडु की सीटें घटाने की साजिश रची है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से तमिलनाडु के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम कांग्रेस और द्रमुक की इस साजिश को सफल नहीं होने देंगे। हम तमिलनाडु के लोगों और तमिलनाडु की महिलाओं को निश्चित रूप से न्याय दिलाएंगे।''

शाह ने ''परिवारवादी राजनीति'' को लेकर सत्तारूढ़ द्रमुक पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, (मुख्यमंत्री) स्टालिन का पूरा ध्यान अपने बेटे (उदयनिधि) को मुख्यमंत्री बनाने पर है।

महिला आरक्षण बिल गिरने पर अखिलेश यादव ने बीजेपी की मंशा पर उठाए सवाल

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। महिला आरक्षण बिल के संसद में गिरने के बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया है। अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी ने नैतिक रूप से सरकार में बने रहने का अधिकार खो दिया है। उनका आरोप है कि बीजेपी इस बिल के जरिए महिलाओं का भला नहीं, बल्कि उनके साथ धोखा कर रही थी।

'आरक्षण नहीं, हक छीनने की साजिश'

सपा प्रमुख ने स्पष्ट किया कि वे आरक्षण के विरोध में नहीं हैं, बल्कि वे बीजेपी की गलत नियत के खिलाफ

हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी 33 फीसदी आरक्षण देने के बजाय महिलाओं का हक छीनना चाहती थी। अखिलेश ने कहा कि इस बिल में वोट बैंक की राजनीति छिपी थी और बीजेपी नहीं चाहती थी कि जनगणना के जरिए जातिवार आंकड़े सामने आएं। उन्होंने दावा किया कि लोकतंत्र को बचाने की मुहिम में वे सफल रहे हैं।

मणिपुर हिंसा: उखरुल में दो लोगों की हत्या के बाद तनाव, सीएम ने एनआईए को सौंपी जांच

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

उखरुल। मणिपुर में हिंसा का दौर रुकने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को राज्य के उखरुल जिले में संदिग्ध आतंकवादियों ने नागरिक वाहनों के एक काफिले पर घात लगाकर हमला कर दिया।

यह घटना लिटान पुलिस थाना क्षेत्र के टी एम कासोम गांव के पास हुई। हमले में दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान ताशर गांव के सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी चिनाओशांग शोकवुंगनाओ और खारासोम गांव के यारुइंगम वाशुम के रूप में हुई है। हमले के दौरान काफिले में शामिल तीन कारों को भी काफी

नुकसान पहुंचा। मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और इसे अत्यंत दुखद बताया है।

उन्होंने घोषणा की है कि इस मामले की जांच अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी करेगी। मुख्यमंत्री ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें आर्थिक मदद देने का भी आश्वासन दिया है।

समुदायों में तनाव

इस दुखद घटना के बाद अलग-अलग समूहों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया है। तंगखुल नागा लोंग की कार्यकारी समिति ने इस हमले के लिए कुकी समूहों को जिम्मेदार ठहराया है और घटना की कड़ी निंदा की है। दूसरी ओर, कुकी जो परिषद ने इन हत्याओं में अपने समुदाय की किसी भी तरह की संलिप्तता होने से पूरी तरह इनकार किया है। सरकार ने सभी समुदायों से शांति बनाए रखने की अपील की है ताकि माहौल और न बिगड़े।

पीएम मोदी 29 अप्रैल को करेंगे गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बहुप्रतीक्षित गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण 29 अप्रैल को जनपद हरदोई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाएगा। यह अवसर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा, जिसका सीधा लाभ करोड़ों लोगों को मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में जिस तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया है, गंगा एक्सप्रेसवे उसी का एक सशक्त उदाहरण है। वर्ष 2020 में मंत्रिपरिषद से स्वीकृति मिलने के बाद इस परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया गया और

रिकॉर्ड समय में इसे साकार करने की दिशा में कार्य हुआ। यह एक्सप्रेसवे नए उत्तर प्रदेश के निर्माण का मजबूत आधार बन रहा है।

पश्चिम से पूर्व तक मजबूत कनेक्टिविटी

गंगा एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई 594 किलोमीटर है, जो मेरठ के बिजौली गांव से शुरू होकर प्रयागराज के जुडापुर दांदू गांव के पास समाप्त होगा।

दिल्ली पुलिस ने नामी ब्रांडों के नकली इंजन ऑयल बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गाजीपुर इलाके में नकली इंजन ऑयल बनाने वाली एक फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से करीब 700 लीटर नकली इंजन ऑयल बरामद किया है। इसके साथ ही भारी मात्रा में नामी ब्रांडों के पैकिंग का सामान और मशीनें भी जब्त की गई हैं। पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया, नकली उत्पाद बनाने वाली इकाइयों के खिलाफ एक विशेष अभियान शुरू किया गया था। पुख्ता सूचना के आधार पर हमारी टीम ने

गाजीपुर में छापा मारा। वहां से नामी ब्रांडों के भारी मात्रा में नकली इंजन ऑयल और पैकिंग सामग्री बरामद की गई, जिससे नकली उत्पाद बनाने और उनकी सप्लाई करने वाले एक संगठित गिरोह का खुलासा हुआ है।

पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान राकेश कुमार छाबड़ा और कुलदीप सिंह के रूप में की है। इन दोनों की उम्र करीब 52 साल है। छापेमारी के दौरान अधिकारियों को कैस्ट्रोल, यामाहा, हीरो और बजाज जैसे ब्रांडों के नाम पर तैयार 28 कैन और 140 बोतलें नकली इंजन ऑयल मिला। इसके अलावा मौके से 550 से ज्यादा खाली बोतलें, स्टिकर, कूपन, एक सीलिंग मशीन और पैकिंग में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण भी जब्त किए गए हैं। शुरूआती जांच में सामने आया है कि आरोपी लोकप्रिय ब्रांडों के नाम पर बाजार में नकली इंजन ऑयल बनाकर आपूर्ति कर रहे थे। यह गिरोह खुले में मिलने वाले सस्ते तेल को नामी ब्रांडों के डिब्बों में भरता था और फिर उन्हें सील करके बाजार में वितरण के लिए भेज देता था।

योगी सरकार प्रदेशभर के बिजली उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराएगी 34 हजार मेगावॉट बिजली

प्रदेशवासियों को भीषण गर्मी में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां पूरी

- बिजली एक्सचेंज के जरिये पूरी की जाएगी अतिरिक्त मांग

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेशवासियों को भीषण गर्मी में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तैयारियां पूरी कर ली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर ऊर्जा विभाग ने इस वर्ष पीक डिमांड को ध्यान में रखते हुए लगभग 34,000 मेगावाट बिजली उपलब्ध कराने की रणनीति बनाई है। इसके लिए सभी नए थर्मल पावर प्लांट यूनिट्स को चालू कर दिया गया है। वहीं, पीक आवर्स में करीब 80 प्रतिशत बिजली की मांग पहले से किए गए एमओयू से पूरी की जाएगी। इसके अलावा अतिरिक्त मांग को बिजली एक्सचेंज के जरिये पूरा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर मॉनिटरिंग की गई तेज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में उच्च स्तरीय बैठक में बिजली आपूर्ति को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि किसी भी स्थिति में उपभोक्ताओं को परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने नियमित समीक्षा बैठकों के जरिए तैयारियों की निगरानी बढ़ा दी है। साथ ही ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को भी मजबूत किया जा रहा है, ताकि तकनीकी खराबियों के कारण बाधा न आए। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समान रूप से बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये। इसके लिए फीडर स्तर पर निगरानी बढ़ाई गई है और लाइन लॉस कम करने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। स्मार्ट मीटरिंग और डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम को भी तेजी से लागू किया जा रहा है।

80 प्रतिशत बिजली की मांग पहले से तय एमओयू से होगी पूरी

एमडी ने बताया कि पीक आवर्स में करीब 80 प्रतिशत बिजली की मांग पहले से किए गए एमओयू (लॉन्ग टर्म टाई-अप) के जरिए पूरी की जाएगी। इससे अचानक मांग बढ़ने की स्थिति में भी स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। इसके साथ ही शेष मांग को पूरा करने के लिए बिजली एक्सचेंज प्लेटफॉर्म जैसे आईईएक्स, पीएक्सआईएल और एचपीएक्स की मदद ली जाएगी। इन प्लेटफॉर्म के माध्यम से जरूरत के समय अतिरिक्त बिजली खरीदी जाएगी।

पीक डिमांड 33 हजार मेगावाट के पार जाने का अनुमान

यूपीपीसीएल के एमडी पंकज कुमार ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अप्रैल से सितंर के बीच बिजली की मांग बढ़ेगी। पिछले वर्षों की डिमांड को देखते हुए इस वर्ष जून में पीक डिमांड लगभग 33,375 मेगावाट तक पहुंच सकती है, जो अब तक के उच्चतम स्तरों में से एक होगी। मई और जुलाई में भी मांग 31 से 32 हजार मेगावाट के बीच रहने की संभावना है। इस बढ़ती मांग को देखते हुए विभाग ने अग्रिम तैयारी करते हुए उत्पादन और आपूर्ति के सभी स्रोतों को सक्रिय कर दिया है। वहीं पीक डिमांड को ध्यान में रखते हुए लगभग 34,000 मेगावाट बिजली उपलब्ध कराने की रणनीति तैयार कर ली गयी है। उन्होंने बताया कि सभी नए थर्मल पावर प्लांट यूनिट्स को चालू कर दिया गया है।

भुवनेश्वर स्टेशन का एयरपोर्ट जैसा मेकओवर, अश्विनी वैष्णव बोले- 50 साल तक नो टेंशन

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर चल रहे री डेवलपमेंट कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि देशभर में 1,300 से अधिक रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाया जा रहा है। भुवनेश्वर स्टेशन को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह अगले 50 सालों तक यात्रियों की सभी जरूरतों को पूरा करने में सक्षम रहे।

एयरपोर्ट जैसी आधुनिक सुविधाएं

रेल मंत्री ने स्टेशन पर दी जा रही सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि यहां यात्रियों के इंतजार करने

के लिए बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है। स्टेशन पर बना एलिवेटेड वेटिंग एरिया और कॉनकोर्स बिल्कुल हवाई अड्डों जैसा अनुभव देते हैं। यह नई व्यवस्था यात्रियों के लिए बहुत सुविधाजनक साबित हो रही है।

यात्रियों ने जताई खुशी

निरीक्षण के दौरान अश्विनी वैष्णव ने वहां मौजूद कई यात्रियों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि यात्री यहां की बदली हुई व्यवस्था से बहुत खुश हैं।

कनावनी अग्निकांड: प्रभारी मंत्री असीम अरुण ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर राहत सामग्री बांटी

अधिकारियों को दिए राहत कार्य तेज करने के निर्देश

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद स्थित कनावनी अग्निकांड में प्रभावित परिवारों से राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार समाज कल्याण असीम अरूण के द्वारा प्रभावित परिवारों से मुलाकात करके प्रशासन के द्वारा किये गये सुरक्षा व्यवस्था आदि का जायता लिया गया।

प्रभावित परिवार से मुलाकात करने के दौरान मौके पर मंत्री असीम अरूण के साथ रविन्द्र कुमार मॉदड़ जिलाधिकारी गाजियाबाद, राज करन नैययर अपर पुलिस आयुक्त पुलिस कनिश्नरेट, धवल जैसवाल, उप पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गाजियाबाद, सौरभ भटट अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) गाजियाबाद, अरूण दीक्षित उपजिलाधिकारी सदर गाजियाबाद, अभिषेक श्रीवास्तव सहायक पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गाजियाबाद, रितेश कुमार सिंह तहसीलदार सदर गाजियाबाद, संदीप कुमार जिला समाज कल्याण अधिकारी गाजियाबाद तथा अन्य विभाग के अधिकारीगण के साथ-साथ अन्य सहयोगी संस्थायें व व्यापार मण्डल के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

घटनास्थल पर एवं आर्य समाज विद्यापीठ में प्रभावित व्यक्तियों हेतु खाने-पीने एवं पानी के टैंकरों की पर्याप्त व्यवस्था पायी गयी तथा अग्निकांड के दिनांक से प्रशासन द्वारा प्रभावित व्यक्तियों को खाना, पीने का पानी, चिकित्सा सुविधा एवं रहने हेतु व्यवस्थित शेल्टर होम की समुचित व्यवस्था उपलब्ध करायी गयी है।

उपरोक्त स्थल पर नगर निगम गाजियाबाद से कुल 11 पानी के टैंकर लगे हुये है जो घटना स्थल पर एवं रिलीफ कैम्प पर लगे हुये पाये गये। प्रभावित व्यक्तियों में से लगभग 50 व्यक्तियों के आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक के आधार पर उनको एकमुश्त धनराशि 5000/- रुपए प्रति व्यक्ति उनके खाते में भेजी गयी। इसके अतिरिक्त मौके पर पर्याप्त मात्रा में सुरक्षा व्यवस्था कायम है।

मंत्री जी के द्वारा उक्त मुलाकात के दौरान अग्निकाण्ड में लगभग 286 प्रभावित परिवारों में से लगभग 100 परिवार जिनका चूल्हा आदि लगा हुआ, को रिलिफ किट का वितरण किया गया तथा शेष बचे व्यक्तियों को रिलीफ किट उपलब्ध कराया जायेगा।

तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

225 शिकायतें प्राप्त, मौके पर 12 का निस्तारण

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। शासनादेश के मद्देनजर माह के प्रथम व तृतीय शनिवार हो सम्पूर्ण समाधान दिवस मनाया जाता है जिसके क्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ के निर्देशन में जनपद गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया।

मोदीनगर तहसील: उप जिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में मोदीनगर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 133 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 02 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान तहसीलदार रजत सिंह, मुकेश शर्मा नायब तहसीलदार सहित पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोनी तहसील: अपर जिलाधिकारी (भू०अ०) अवनीश सिंह की अध्यक्षता में लोनी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 58 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 05 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान दीपक सिंघनवाल ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी लोनी सहित राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

सदर तहसील: अपर जिलाधिकारी नगर विकास कश्यप की अध्यक्षता में सदर तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 34 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें मौके पर 05 शिकायतों का निरस्तारण किया गया। इस दौरान राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

इस प्रकार जनपद की तीनों तहसीलों में 225 शिकायतें प्राप्त हुई और मौके पर 12 शिकायतों का निस्तारण हुआ तथा उपरोक्त तहसीलों के अंतर्गत शेष शिकायतों को गुणवत्तापरक समयबद्धता के साथ निस्तारण कराने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, मसूरी में प्रवेश प्रारंभ : अंशुल चौहान

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अंशुल चौहान ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए अवगत कराया कि समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, मसूरी, ब्लॉक रजापुर, जनपद गाजियाबाद में नवीन शैक्षिक सत्र हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

अंशुल चौहान ने बताया कि यह विद्यालय समावेशी शिक्षा की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें दिव्यांग बच्चों के साथ-साथ ऐसे बच्चों को भी शिक्षा प्रदान की जाएगी जो दिव्यांग नहीं हैं। अंशुल चौहान ने बताया कि विद्यालय में कुल सीटों का 50 प्रतिशत भाग दिव्यांग बच्चों हेतु तथा 50 प्रतिशत भाग ऐसे बच्चों हेतु निर्धारित किया गया है जो दिव्यांग नहीं हैं, जिससे समावेशी एवं संतुलित शैक्षिक वातावरण विकसित किया जा सके। अंशुल चौहान ने बताया कि इस विद्यालय में सभी प्रकार की दिव्यांगताओं से संबंधित बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा। इनमें प्रमुख रूप से लोकोमोटर दिव्यांगता, सेरेब्रल पाल्सी, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, बौनापन, दृष्टि बाधित एवं अल्पदृष्टि, श्रवण बाधित, वाक बाधित, बौद्धिक दिव्यांगता (एमआर), ऑटिज्म, विशिष्ट अधिगम अक्षमता, न्यूरोलॉजिकल स्थितियां, हीमोफीलिया, थैलेसीमिया, सिकल सेल डिजीज,डार्फिज्म , बहु-दिव्यांगता सहित अन्य सभी प्रकार की दिव्यांगताएं सम्मिलित हैं। अंशुल चौहान ने बताया कि प्रत्येक श्रेणी के बच्चों के लिए आवश्यक सुविधाएं, सहायक उपकरण एवं विशेष शिक्षण व्यवस्था विद्यालय में उपलब्ध कराई जाएगी।

अंशुल चौहान ने बताया कि विद्यालय में प्रवेश दिनांक 20 अप्रैल से 28 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। इच्छुक अभिभावक/गार्जियन अपने बच्चों के आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, दिव्यांगता प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), निवास प्रमाण पत्र एवं पूर्व शैक्षिक अभिलेख के साथ विद्यालय में उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कराएं। अंशुल चौहान ने बताया कि विद्यालय में छात्रावास की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे दूर-दराज क्षेत्रों के बच्चे भी आसानी से शिक्षा प्राप्त कर सकें। साथ ही विद्यार्थियों के लिए मिड-डे मील की सुविधा भी प्रदान की जाएगी, जिससे उनके पोषण एवं स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जा सके।

अंशुल चौहान ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना, उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना तथा समाज में समान अवसर एवं सहभागिता को बढ़ावा देना है। अंशुल चौहान ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि के भीतर अपने बच्चों का प्रवेश अवश्य कराएं।

मोदीनगर में विकसित हो रही अवैध कॉलोनी पर चला जीडीए का बुलडोजर

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। उपाध्यक्ष के अवैध निर्माण/अवैध कालोनियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने के निदेर्शों के क्रम में आज दिनांक 18.04.2026 को प्रभारी प्रवर्तन जोन-02 के नेतृत्व में कुलदीप पुत्र जयराज व अशोक पुत्र सत्यपाल द्वारा खसरा सं0-442 व 492 हापुड रोड मोदीनगर गाजियाबाद पर लगभग 25000 वर्ग मी0 क्षेत्रफल में कालोनी विकसित की जा रही है, स्थल पर बतायें गये नाम-पते के अनुसार कार्यवाही की जा रही है एवं विनोद पुत्र जसवन्त, लोकेन्द्र पुत्र महेन्द्र सिंह, ज्ञानेन्द्र कुमार पुत्र महेन्द्र सिंह, रूबी पुत्री सतेन्द्र, नीतू पुत्री सतेन्द्र, अरूणा पत्नी सतेन्द्र द्वारा खसरा सं0-10, 11, ललितपुर तिबडा, मोदीनगर गाजियाबाद पर लगभग 22000 वर्ग मी0 में अवैध निर्माण/प्लाटिंग, मिट्टी भराव कार्य चल रहा है। स्थल पर कोई स्वीकृत तलपट मानचित्र नहीं दिखाया गया, अनाधिकृत निर्माण के विरूद्ध ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी। उपरोक्त अवैध कालोनी में कालोनाईजर द्वारा बनायी गई सडक, बाउन्ड्रीवॉल, साईट ऑफिस, आदि को ध्वस्त करते हुये सीलिंग की कार्यवाही सम्पादित की गयी। ध्वस्तीकरण/सीलिंग की कार्यवाही के दौरान कोलोनाईजर/निर्माणकर्ता द्वारा भारी विरोध प्रकट किया गया, लेकिन पुलिस व प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ते द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए उपरोक्त अनाधिकृत रूप से किये गये अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया।

ध्वस्तीकरण/सीलिंग की कार्यवाही के समय स्थल पर सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता, प्रवर्तन जोन-2 के समस्त स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल व प्राधिकरण प्रवर्तन दस्ता उपस्थित रहा।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

गाजियाबाद। निवाड़ी थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। शादी की बात करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहा है। युवती व आरोपी की दोस्ती फेसबुक के माध्यम से हुई थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। एक गांव निवासी एक युवती मोदीनगर स्थित एक कॉलेज में पढ़ती है। युवती ने बताया कि कुछ समय पहले एक युवक की मेरे फेसबुक अकाउंट पर फ्रेंड रिक्वेस्ट आई थी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत होने लगी। युवक जल्द शादी करने की बात कहने लगा। इसी बीच युवक ने युवती को मिलने के लिए अपने पास बुलाया और होटल में ले गया। आरोप है कि युवक ने जल्द शादी करने का वादा करके दुष्कर्म किया। इसके बाद से ही आरोपी युवती का लगातार दुष्कर्म करता आ रहा है। कई दिन पहले युवती को पता चला कि युवक की शादी किसी अन्य स्थान पर तय हो गई है। जब युवती ने युवक से शादी करने को कहा तो वह जान से मारने की धमकी देने लगा। पीड़िता ने इस संबंध में निवाड़ी थाने में तहरीर दी है। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

प्रतिष्ठानों में प्राकृतिक गैस आपूर्ति बाधित होने पर वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग की अनुमति, 13 मई तक शिथिलता लागू

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। प्रदेश सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में उत्पन्न असाधारण परिस्थितियों के दृष्टिगत महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। प्रमुख सचिव वी. हेकाली झिमोमी द्वारा मेरठ, गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर (नोएडा/ग्रेटर नोएडा), बुलन्दशहर, बागपत, हापुड़, शामली एवं मुजफ्फरनगर के जिलाधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी निदेर्शों के अनुसार, प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित होने के कारण वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम), नई दिल्ली द्वारा पूर्व में जारी निर्देश संख्या-65 दिनांक 23 जून 2022 में अस्थायी शिथिलता प्रदान की गई है। इसके अंतर्गत उद्योगों, होटल, रेस्टोरेंट एवं अन्य प्रतिष्ठानों को प्राकृतिक गैस के स्थान पर वैकल्पिक ईंधनों जैसे हाई स्पीड डीजल (एचएसडी), बायोमास तथा रिफ्यूज्ड डेराइव्ड फ्यूल (आरडीएफ) के उपयोग की अनुमति दी गई है।

इसके अतिरिक्त, वैकल्पिक ईंधनों की सीमित उपलब्धता को देखते हुए कोयला एवं केरोसिन के उपयोग को भी अस्थायी अवधि के लिए अनुमन्य किया गया है। यह शिथिलता एक माह अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, लागू रहेगी। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी परामर्श के क्रम में उक्त छूट को 13 मई 2026 तक अथवा अगले आदेश तक प्रभावी रखा गया है।

प्रदेश सरकार ने सभी संबंधित जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में स्थापित इकाइयों द्वारा इन निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए, ताकि वर्तमान परिस्थितियों में औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित हो सकें।

24 को एचआरआईटी में लगेगा वृहद रोजगार मेला

गाजियाबाद। जिला सेवायोजन अधिकारी गाजियाबाद ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया की जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों हेतु जिला सेवायोजन कार्यालय, गाजियाबाद तथा एच० आर०आई०टी० विश्वविद्यालय निकट मोरटा, मेरठ रोड, गाजियाबाद के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 24.04.2026 को प्रातः 10.00 बजे से एच० आर०आई०टी० विश्वविद्यालय निकट मोरटा, मेरठ रोड, गाजियाबाद के परिसर में एक वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है।

इंदिरापुरम में पुलिस मुठभेड़, दुष्कर्म व चोरी का आरोपी गिरफ्तार

अंबेडकर प्रतिमा खंडित प्रकरण में भी पुलिस अलर्ट, स्वाट टीम जांच में जुटी

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

साहिबाबाद। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में सात वर्षीय मासूम के अपहरण और दुष्कर्म की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने शनिवार रात मुठभेड़ के बाद खुलासा कर दिया। पुलिस ने आरोपी को घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से अवैध तमंचा, चोरी किया गया मोबाइल फोन और दस हजार रुपये बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में निमार्णाधीन इमारत पर चौकीदार अपने परिवार के साथ झुग्गी बनाकर रहता है। 15 अप्रैल की देर रात अज्ञात युवक झुग्गी में घुसा और सो रही सात वर्षीय बच्ची का अपहरण कर लिया। आरोपी मासूम को पास ही ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया और वारदात को अंजाम देने के बाद बच्ची को झुग्गी के निकट छोड़कर फरार हो गया। जाते समय आरोपी झुग्गी से 11 हजार रुपये और मोबाइल फोन भी चोरी कर ले गया। पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ

मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। शुरूआती जांच में पुलिस के पास कोई ठोस सुराग नहीं था। इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। फुटेज में एक संदिग्ध युवक बच्ची को साथ ले जाते हुए दिखाई दिया। पुलिस टीम ने संदिग्ध के रूट को ट्रेस करते हुए करीब 50 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच करते-करते पुलिस नीतिखंड स्थित श्मशान घाट तक पहुंची। वहां आसपास की बस्ती में पूछताछ के दौरान संदिग्ध की पहचान हुई और पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित कर दी। शनिवार रात पुलिस टीम कनावनी पुलिया की ओर जाने वाले मार्ग पर चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान संदिग्ध युवक दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी और वह गिर पड़ा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अल्फाजुद्दीन उर्फ भालू निवासी ग्राम सुतनापुर, जिला फरुर्खाबाद बताया। उसने बच्ची के अपहरण, दुष्कर्म और झुग्गी में चोरी की वारदात स्वीकार कर ली। पुलिस के अनुसार आरोपी नशे का आदी है और नशे की लत पूरी करने के लिए चोरी की घटनाएं करता था। घटना वाले दिन भी वह नशे की हालत में झुग्गी में चोरी करने पहुंचा था और वहीं उसने घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। चोरी किया मोबाइल उसने राह चलते एक युवक को बेच दिया था। एसीपी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए केस दर्ज किया और तकनीकी साक्ष्यों व सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी तक पहुंचने में सफलता हासिल की। पुलिस अब आरोपी के आपराधिक इतिहास और मोबाइल खरीदने वाले व्यक्ति की भी तलाश कर रही है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने गाजियाबाद में मतदाता सूची शुद्धिकरण एवं पुनरीक्षण कार्यों की समीक्षा की

मतदाता सूची की शुद्धता पर दें विशेष जोर: नवदीप रिणवा

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण 2026 में किये गये कार्यों की विधानसभावार और चरणवार (गणना एवं दावे / आपत्ति) के सम्बन्ध में जनपद गाजियाबाद के जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़,उप जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ भट्ट, दीपक सिंघनवाल ई.आर.ओ.,राजेन्द्र कुमार ई.आर.ओ.,अरूण दीक्षित ई.आर.ओ.,अजीत कुमार ई.आर.ओ.एवं अन्य निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों तथा वी. आर.सी. के साथ समीक्षा बैठक की गयी।

बैठक प्रारम्भ करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा जनपद गाजियाबाद में विशेष प्रगाढ कार्यक्रम के सकुशल सम्पादन हेतु समस्त अधिकारीगण को बधाई दी गयी एवं अवगत कराया कि एस.आई.आर. के दौरान जनपद गाजियाबाद में सर्वाधिक संख्या में नए मतदाता पंजीकृत किये गये हैं। इसी क्रम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा अवगत कराया कि वर्तमान में मतदाता सूची के निरन्त पुरनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची की शुद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाये। उक्त कार्य में समस्त ई.आर.ओ. को अपनी विधानसभा से सम्बन्धित समस्त बी.एल.ओ. के सम्बन्ध में जानकारी रहनी चाहिये कि कोई भी बी.एल.ओ. का पद रिक्त न हो तथा पद रिक्त होने की स्थिति में जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुमोदन से नए बी.एल.ओ. की नियुक्ति कर ली जाये, जिससे निर्वाचन सम्बन्धी कार्य प्रभावित न हो। निरन्तर पुनरीक्षण के दौरान प्राप्त होने वाले समस्त फार्मों को समयान्तर्गत निस्तारित करने हेतु समस्त ई.आर.ओ. को दैनिक रूप से प्राप्त फार्मों को सम्बन्धित बी.एल.ओ. को दैनिक रूप से २५ल्ल करने एवं फार्म का निस्तारण निर्धारित समयावधि में अधिकतम 10 दिनों में करने हेतु निर्देशित किया गया। फार्म को भरते समय करते समय फार्म पर अंकित पते से सम्बन्धित बूथ के बी.एल.ओ. के चयन का विशेष ध्यान रखा जाये।

उक्त के साथ ही मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्देशित किया कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने हेतु प्राप्त फार्म में आवेदक का विवरण सही हो तथा पता एवं फोटो मानक के अनुरूप हो। आगामी विधानसभा निर्वाचन के दृष्टिगत मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्देशित किया कि विधानसभा निर्वाचन में बी.एल.ओ. को पर्चियों का वितरण करना होगा। पर्चियों के समयान्तर्गत मुद्रण हेतु समस्त बी.एल.ओ. को निर्देशित कर दें कि वह अपना बी.एल.ओ. रजिस्टर बना लें तथा उक्त रजिस्टर में समस्त मतदाताओं का विवरण मोबाइल नम्बर सहित दर्ज कर लें, जिससे पर्चियों के वितरण के समय उनसे सम्पर्क किया जा सके।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा अवगत कराया कि मतदाता सूची के परीक्षण में संज्ञान में आया है कि कतिपय मतदेय स्थलों की मतदाता सूची में डुप्लीकेट मतदाता विद्यमान हैं तथा मतदाताओं की आयु, नाम एवं पते में त्रुटियाँ हैं। उक्त के क्रम में मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी गाजियाबाद को निर्देशित किया कि जनपद की समस्त विधानसभा क्षेत्रों के मतदेय स्थलों की मतदाता सूची में विद्यमान उक्त त्रुटियों को ठीक करने हेतु मतदाता सूची की टेबलटॉप एक्सरसाइज में त्रुटियाँ चिन्हित कर उन्हें फार्म-8 के माध्यम से ठीक करा लें, जिससे मतदाता सूची का शुद्धिकरण हो सके। उक्त के साथ ही 100+ आयुवर्ग के मतदाताओं का भौतिक सत्यापन कराने हेतु निर्देशित किया गया है। विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण के दौरान जनपद गाजियाबाद में विदेशी मतदाताओं हेतु प्राप्त फार्म 6ए के सम्बन्ध में अवगत कराया कि जनपद गाजियाबाद में विदेशी मतदाताओं संख्या में वृद्धि करने हेतु फार्म-6ए से सम्बन्धित जानकारी का व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाये, जिससे विदेशी नागरिकों को मतदाता के रूप में पंजीकृत किया जा सके। बैठक के अन्त में मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारीगणों को पुनः निर्देशित किया कि समस्त ई.आर.ओ. अपनी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची को एक बार पुनः जाँच लें तथा उसमें विद्यमान त्रुटियों को ठीक कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें।

स्वच्छ वार्ड रैंकिंग: शहर में स्वच्छता को बढ़ावा देने की नई पहल

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत सभी वार्डों में स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य शहर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वार्डों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना है।

इस प्रतियोगिता के अंतर्गत रहवासी संघ (RWA), होटल, हॉस्पिटल, कार्यालय एवं स्कूलों में भी स्वच्छता की रैंकिंग की जाएगी। शहर के इन सभी संस्थानों एवं क्षेत्रों का निरीक्षण कर विभिन्न मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन के प्रमुख मापदंडों में स्रोत पर कचरा पृथक्करण, सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई, डोर-टू-डोर कलेक्शन व्यवस्था तथा जनभागीदारी शामिल रही। प्रत्येक वार्ड एवं संस्थान को इन मापदंडों पर अंक प्रदान कर रैंकिंग तय की जाऐगी। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, यह पहल न केवल स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करेगी, बल्कि नागरिकों, संस्थानों एवं संगठनों को भी अपने क्षेत्र को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने के लिए प्रेरित करेगी। नगर निगम ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपने वार्ड को स्वच्छ, सुंदर एवं आदर्श बनाने में सहयोग करें।

अपना दल कमेरावादी मंडलीय समता सम्मेलन संपन्न

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

मिर्जापुर। मड़िहान थाना क्षेत्र के कलवारी के रामलीला मैदान में रविवार को अपना दल कमेंराबादी सिराथू विधायक डॉक्टर पल्लवी पटेल व इंजीनियर पारुल पटेल ने कमेंराबादी मंडली समता सम्मेलन में मुख्य अतिथि रही चिलचिलाती धूप में अपना दल कामेरावादी के कार्यकर्ता डटे रहे। सम्मेलन में मुख्य अतिथि सर्वप्रथम डॉ भीमराव अंबेडकर अपना दल कमेंराबादी पार्टी के संस्थापक सोनेलाल पटेल के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित किए तत्पश्चात पार्टी के समस्त कार्यकताओं ने डॉक्टर पल्लवी पटेल पारुल पटेल का स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यकताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव में अधिक से अधिक सीटों पर अपना दल कामेरावादी की जीत तय करने का शपथ लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संजीत पटेल ने कार्यक्रम में आए हुए सभी कार्यकताओं व आम जनमानस का आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि के आगमन से पहले पंडाल में बिरहा गायन का भी आयोजन किया गया । बिरहा गायन सुनने के लिए भारी मात्रा में भीड़ जुटी रही। मंच से भाषण के दौरान इंजीनियर पारुल पटेल ने उपस्थित जन समुदाय व पार्टी के कार्यकताओं का अभिवादन स्वीकार किया अपना दल केमरा वादी को मजबूत बनाने के लिए अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ने पर जोर दिया। इस दौरान पारुल पटेल ने यूजीसी एक्ट पर भी अपने विचार रखें और इसे अति शीघ्र लागू करवाने पर जोर दिया। वक्ताओं के क्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंच से संबोधन करने पहुंची सिराथू विधायक पलवली पटेल ने इस सिलसिला की धूप में भी कार्यकताओं के जोश को देखकर गदगद रहे उन्होंने पार्टी के कार्यकताओं व पदाधिकारी का आभार व्यक्त किया और मंच पर बैठे विशिष्ट जनों का आभार व्यक्त किया अपने वक्तव्य में मंच से पल्लवी पटेल ने आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की मजबूती पर चर्चा किया ।मंच से ही कार्यक्रम में आए हुए समस्त मंडल अध्यक्ष अध्यक्षों जिला अध्यक्षों व पार्टी के अन्य कार्यकताओं का स्वागत और अभिनंदन किया डॉक्टर पल्लवी पटेल ने कहा कि सरकार यूजीसी एक्ट को लागू करने से घबरा रही है डॉ पल्लवी पटेल ने कहा कि हमारी पार्टी यूजीसी एक्ट लागू करवाने में प्रयासरत है अपना दल कमेंराबादी पार्टी यूजीसी एक्ट लागू करवा के ही दम लेगी, महिला शक्ति करण के बारे में भी कहा। कार्यक्रम का संचालन कर रहे एडवोकेट अर्जुन सिंह पटेल रहे। सुरक्षा में मड़िहान थाना प्रभारी बालमुकुंद मिश्रा तथा राजगढ़ थाना प्रभारी वेद प्रकाश पांडे भी मौजूद रहे। इस दौरान मिथिलेश पटेल, अर्जुन पटेल, राधा रमन सिंह, पप्पू पटेल, सुशीला, संजय पटेल,शांति भारती, रामधनी पटेल, सविता पटेल, डॉक्टर लाल मूरत पटेल, जितेंद्र पटेल गंगेश्वर पटेल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बजरंग दल ने लव जिहाद के विरुद्ध किया विशाल प्रदर्शन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। आज नोएडा महानगर में बजरंग दल संयोजक विनोद चौहान द्वारा राष्ट्रहित और सामाजिक सुरक्षा के संकल्प के साथ एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन नोएडा महानगर और देश के विभिन्न हिस्सों में बढ़ती 'लव जिहाद' की घटनाओं और कट्टरपंथी मानसिकता के विरुद्ध हिंदू समाज की एकजुटता को दर्शाने के लिए किया गया। नोएडा महानगर संयोजक बजरंगदल विनोद चौहान ने कहा कि राष्ट्र, संस्कृति और समाज की सुरक्षा हेतु हमारा संकल्प अटल है। हम हिंदू समाज की बहन-बेटियों की सुरक्षा और अस्मिता के साथ खिलवाड़ करने वाली ताकतों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। मंत्री दिनेश महावर ने कहा कि लव जिहाद, अवैध धर्मांतरण और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए कठोरतम कानून और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। विभाग संगठन मंत्री मुनेंद्र उनके साथ विभाग मंत्री ललित भी मौजूद रहे। भारी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बिजलीघर (सब माल, अट्टा चौक) पर एकत्रित हुए। यहाँ से 'जय श्री राम' और 'भारत माता की जय' के गगनभेदी नारों के साथ एक विशाल मार्च निकाला गया। कार्यकताओं का यह जत्था अट्टा चौक से होते हुए सिटी मजिस्ट्रेट ऑफिस (सेक्टर 19) तक पहुँचा। विरोध स्वरूप लव जिहाद की मानसिकता का कड़ा आक्रोश व्यक्त किया गया। प्रदर्शन के समापन पर हनुमान चालीसा पाठ किया गया तथा जिला प्रशासन (एडीएम/सिटी मजिस्ट्रेट) के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राजीव शर्मा, प्रचार प्रसार राहुल दुबे, बजरंग दल सह संयोजक विनोद बॉक्सर, प्रवेश प्रवीन, सूरज मिश्रा, रोहित, श्यामवीर, एम. के. श्रीवास्तव, नरेन्द्र, प्रकाश सहित सैकड़ों समर्पित कार्यकताओं और गणमान्य नागरिकों ने अपनी आहुति दी।

साइबर पुलिस की तत्परता से पीड़ित को मिले 47,365 रुपये, ठगी की रकम कराई वापस

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

मिजार्पुर। हलिया क्षेत्र में साइबर पुलिस की सक्रियता का सराहनीय उदाहरण सामने आया है। हलिया साइबर टीम ने एक आवेदक के खाते से फ्रॉड हुए 47,365 रुपये सफलतापूर्वक वापस कराए हैं। जानकारी के अनुसार, थाना हलिया क्षेत्र के डोहर गांव निवासी मुकेश चौबे ने 21 फरवरी को ऑनलाइन यूपीआई के माध्यम से 47,365 रुपये की ठगी होने की शिकायत एनसीआरपी पोर्टल और साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दर्ज कराई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए हलिया साइबर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। साइबर टीम की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के चलते पीड़ित की पूरी धनराशि वापस उसके खाते में ट्रांसफर करा दी गई। अपने पैसे वापस मिलने पर मुकेश चौबे ने पुलिस की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। इस सराहनीय कार्य में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव और कांस्टेबल विश्वनाथ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

परशुराम जयंती पर काव्यार्चन का हुआ आयोजन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। शहीद स्थल प्रवंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वावधान में रविवार शाम भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में काव्यार्चन का आयोजन करारी शहीद स्थल पर किया गया। अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि शिवदास चंदौली, मुख्य अतिथि अजय चतुवेर्दी कक्का व विशिष्ट अतिथि गण दिवाकर दिवेदी मेघ व कौशल्या कुमारी चौहान शिक्षक ने मंत्रोच्चारण के बीच भगवान परशुराम व मां शारदे तथा अमर शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण दीपदान कर विधिवत आयोजन का शुभारंभ किया। वाणी वंदना करते हुए सोन संगीत फाउंडेशन के सुशील मिश्रा ने जगमग जोत जरादा जननी सबके रहिया दिखा दा हो सस्वर सुनाकर सबको आनंदित किये। ओज की कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने दुष्टों का कर दूंगी नाश मैं दुर्गा भवानी हूँ सुनाकर वाहवाही लूटी। सफल संचालन कर रहे अशोक तिवारी एडवोकेट ने, अंधकार का नाश करो जनजन का संत्रास हरो राम परशु लेकर आओ धर्म ध्वजा आकाश करो सुनाकर महफि ल लूट लिया। मुख्य अतिथि अजय चतुवेर्दी कक्का ने ,मेरे पूर्वज संस्कृति पर जो भी हमला बोलेगा, उनको सबक सिखायेंगे हम मौन नहीं रह सकते हैं सुनाकर समसामयिक अभिव्यक्ति से गंभीर चिंतन दिये सराहे गये। दिवाकर दिवेदी मेघ ने भगवान परशुराम काव्यार्चन करते हुए, शक्ति साहस शौर्य सेवा सत्य शिव व्यवहार दे, लेकर फरशा परशु अपना मनुजता को धार दे तथा आदमी अब कितना रह गया है आदमी सुनाकर गतिज उर्जा संचरण किये। प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट आयोजक ने , परशुराम के वंशज हो तो राह पर उनके चलना सीख, सदा आचरण हेतु मनुजता , जाग पर उनके रहना सीख सुनाकर लोगों को सोचने पर विवस किया। विवेक चतुवेर्दी ने शायरी सुनाकर वाहवाही देर तक लूटते रहे। धर्मेश चौहान एडवोकेट ने देश वंदना कर काव्यार्चन को सफल बनाये। दयानंद दयालू अनमोल मणि ऋषभ त्रिपाठी अशोक तिवारी लेखपाल, सुनील तिवारी वरिष्ठ पत्रकार विजय विनीत सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम दिलीप सिंह दीपक ने हास्य व्यंग्य ओज श्रृंगार छंद गीत गजल लोक भाषा की अनेकों रचना सुना कर लोगों को उत्साह से भर दिया। अंत में अध्यक्षता करते हुए चंदौली से पधारे वरिष्ठ कवि शिवदास ने लहर रहा है गगनांगन में गौरव का अभिमान तिरंगा मांग रहा बलिदान सुनाकर राष्ट्र वंदन से आयोजन को पूर्ण किया। सभी कवियों का सारस्वत अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जयशंकर त्रिपाठी एडवोकेट, ठाकुर कुशवाहा, पुरुषोत्तम कुशवाहा, बलिराम, शिवमोचन, मृत्युंजय, आद्या, अंशिका, बृज किशोर देव, नीरज तिवारी, प्रधान संगीता तिवारी, त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, धनंजय, फारुख अली हाश्मी आदि मौजूद रहे।

भगवान परशुराम जयंती पर विशाल भंडारे का आयोजन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। भगवान विष्णु जी के छठे अवतार भगवान परशुराम जयंती पर मनकामेश्वर शिव मंदिर सेक्टर 22 नोएडा में पूजा अर्चना के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। पूजा अर्चना पंडित ज्योति प्रसाद जी द्वारा संपन्न कराई गई जिसमें ब्राह्मण रक्षा दल के अध्यक्ष रवि शर्मा, मदन शर्मा, दुर्गेश पाठक, दिलराज कटोच, प्रतुल पांडेय, रवी विश्वकर्मा, पवन शर्मा, ममता शर्मा, अन्नू गिरी, पारुल बंगा, सुमित कुमार, भानु प्रकाश, रमेश कुमार, प्रेम कुमार, कपिल, आशीष, दिनेश पूजा में भाग लिया। दोपहर 12.30 बजे प्रभु श्री जी भोग के उपरांत भंडारे का आरंभ किया गया सभी सेक्टर निवासियों ने स्वादिष्ट प्रसाद ग्रहण किया।

अंबेडकर जयंती पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। भाजपा नोएडा महानगर द्वारा जिलाध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में सेक्टर-41 स्थित सामुदायिक केंद्र में एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में बिमला बॉथम ने सहभागिता की। जिलाध्यक्ष महेश चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन संघर्ष, समर्पण और दूरदर्शिता का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने देश को एक सशक्त संविधान देकर लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी, जिसके कारण आज प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार और अवसर प्राप्त हैं। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाएं और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी बाबा साहब के आदर्शों पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विशिष्ट अतिथि बिमला बॉथम ने अपने उद्बोधन में कहा कि बाबा साहब का जीवन हमें शिक्षा, संघर्ष और आत्मविश्वास के बल पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि आज जो सामाजिक समानता और अधिकार हमें प्राप्त हैं, वह बाबा साहब की महान सोच और योगदान का परिणाम हैं। उन्होंने कार्यकताओं से आग्रह किया कि वे समाज में शिक्षा और जागरूकता फैलाकर भेदभाव को समाप्त करने की दिशा में कार्य करें और बाबा साहब के आदर्शों को आत्मसात करें। कार्यक्रम संयोजक ओमवीर अवाना सहसंयोजक हरिओम जाटव एवं मनीष वाल्मीकि रहे। कार्यक्रम में अमित त्यागी, संजय बाली, रविन्द्र वाल्मीकि प्रज्ञा पाठक डिंपल आनंद राजकुमार बंसल अशोक मिश्रा नीरज चौधरी इत्यादि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में पांच स्वास्थ्य केंद्रों पर 195 मरीजों का किया गया उपचार

हलिया/मिजार्पुर (स्वास्तिक सहारा)। विकासखंड हलिया के पांच प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला के तहत चिकित्सकों द्वारा कैंप के माध्यम से रविवार को कुल 195 मरीजों का निः शुल्क उपचार किया गया जिसमें चिकित्सकों ने बुखार,सुगर,बीपी, खांसी आदि की जांच के बाद मरीजों को निः शुल्क दवाएं दी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी अवधेश कुमर ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में 44 मतवार में 33,मुड़पेली में 37,बरौधा में 39,ड्रमंडगंज मे 42 मरीजों का उपचार किया गया मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में पांच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो पर 195 मरीजों का प्राथमिक उपचार किया गया है मतवार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डाक्टर कामेश्वर तिवारी ने घर के आसपास साफ सफाई रखने व बदलते मौसम से मच्छरों से सावधान रहने की सलाह दी है इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया में डाक्टर विमल कुमार, मतवार में कामेश्वर तिवारी, मुड़पेली में डाक्टर मनीष कुमार, ड्रमंडगंज मे डॉक्टर विके मिश्रा, बरौंधा में डॉक्टर शालिनी द्वारा आए हुए मरीजो का उपचार किया गया।

फुलियारी गांव के सिवान मे गेहूं के कटे खेत में अज्ञात कारणों से लगी आग, अगलगी का वीडियो वायरल

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

हलिया/मिजार्पुर। हलिया थाना क्षेत्र के फुलियारी गांव के चनीहवा पड़ीया दह मजरे में रविवार दोपहर में अज्ञात कारणों से आग लग गई हवा तेज होने के चलते देखते ही देखते आग बीसो बीघा गेहूं के कटे खेत के डंठलों को अपनी चपेट में ले लिया वही खेत में रखें भूसे में आग लग गई आग की लपटे देख चारों तरफ से मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन तब तक आग तेजी के साथ चौतरफा फैल चुकी थी खलिहान मे रखा लगभग 20 बीघा का भूसा जलकर राख हो गया वही आग तेजी से फैलता देख ग्रामीण चारों तरफ से आग बुझाने में लग गए अगलगी की घटनाक्रम का गांव के किसी व्यक्ति द्वारा वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया गांव के ग्रामीण तत्परता दिखाते हुए अपने-अपने संसाधनों से आग बुझाने में लग गए घंटो कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरीके से आग पर काबू पाया जा सका अभी भी कुछ जगहों पर आग सुलग रही है अगलगी की घटना में फुलियारी गांव निवासी राजनरायन तथा शिवकुमार के खलियान में पशुओं के लिए रखा भूसा जलकर राख हो गया आग की लपेट शांत होने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली ग्रामीणों द्वारा अगलगी की सूचना क्षेत्री लेखपाल को दे दिया गया है।

जीआईआईएस के विद्यार्थियों ने सीबीएसई 2026 में दर्ज की ऐतिहासिक सफलता

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। ग्लोबल इंडियन इंटरनेशनल स्कूल नोएडा ने सीबीएसई कक्षा 10वीं के परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता को पुनः सिद्ध किया है। विद्यालय के 80.00% विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। परीक्षा परिणामों का मुख्य आकर्षण:इस वर्ष की मेरिट सूची में श्रेया धिमान ने 99.20% अंकों के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उनके साथ ही अपराजिता श्रीवास्तव ने 97.80% और चैतन्य गोयल ने 97.20% अंक अर्जित कर क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। स्कूल के 80% से अधिक विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी, 20% विद्यार्थियों ने 90% से अधिक और 43.63% विद्यार्थियों ने 80% से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य गणेश शर्मा ने कहा कि हमें अपने छात्रों पर गर्व है। यह परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है। हम भविष्य में भी ऐसी ही उत्कृष्टता की कामना करते हैं।

राधा कृष्ण एकेडमी में 'स्कॉलर्स डे' का हुआ आयोजन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

जेवर। राधा कृष्ण एकेडमी (प्रज्ञान पब्लिक स्कूल के तत्वावधान में) में ह्यस्कॉलर्स डेह्व समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें नर्सरी से कक्षा 8 तक के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. हरीश कुमार शर्मा (डायरेक्टर, प्रज्ञान ग्रुप ऑफ स्कूल्स), श्री सुभाष चंद्र शर्मा एवं डॉ. दीप्ति शर्मा (प्रधानाचार्या, प्रज्ञान पब्लिक स्कूल, जेवर), विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रियंका शर्मा के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

समारोह के दौरान विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने उपस्थित सभी अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया, वहीं समूह नृत्य एवं देशभक्ति गीतों ने वातावरण को उत्साह एवं उल्लास से भर दिया। कुछ विद्यार्थियों ने लघु नाटिका के माध्यम से नैतिक मूल्यों एवं शिक्षा के महत्व का प्रभावशाली संदेश भी प्रस्तुत किया। इन प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को जीवंत और यादगार बना दिया। इस अवसर पर डॉ. हरीश कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि निरंतर प्रयास, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण से प्राप्त होती है। उन्होंने अभिभावकों एवं शिक्षकों की भूमिका को भी अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास पर बल दिया। वहीं सुभाष चंद्र शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के चरित्र, संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखते रहने और अपने ज्ञान का सदुपयोग करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. दीप्ति शर्मा ने की। उन्होंने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास एवं उत्कृष्टता की भावना को प्रोत्साहित करते हैं। इस अवसर पर मेधावी छात्रों को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रियंका शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं आयोजन में सहयोग देने वाले समस्त शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

जन समस्याओं के निवारण हेतु राज्य मंत्री को सौंपा ज्ञापन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष अरविंद सोनी ने उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड को जन समस्या के निवारण के लिए रविवार को ज्ञापन पत्र सौंपा। श्री सोनी ने पत्र के माध्यम से अवगत कराया की विकास खंड चोपन स्थित ग्राम पंचायत बिल्ली मारकुंडी के वार्ड नंबर 9 मां शारदा कॉलोनी में विगत कई वर्षों से पर्याप्त प्रकाशित व्यवस्था न होने के कारण रहवासियों को आवागमन में खासा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि उक्त वार्ड में घनी आबादी निवास करती है, वहीं रात में अंधकार होने की वजह से राहगीरों का चल पाना दुभर हो जाता है, जिससे कोई भी अप्रिय घटना दुर्घटना घटित हो सकती है। राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड ने आश्वासन दिया कि जल्द ही उक्त वार्ड में प्रर्याप्त प्रकाशित व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी।

सम्पादकीय

महिला आरक्षण विधेयक का संसद में गिरना

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की समान भागीदारी को सुनिश्चित करने की चर्चा कई दशकों से चल रही है। लेकिन जब महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण से जुड़ा महत्वपूर्ण महिला आरक्षण विधेयक संसद में अपेक्षित समर्थन नहीं प्राप्त कर पाता या गिर जाता है, तो यह केवल एक विधेयक की हार नहीं होती, बल्कि देश की आधी आबादी की उम्मीदों को भी गहरा आघात पहुंचाती है। यह स्थिति इस बात का संकेत देती है कि भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को लेकर अभी भी गंभीर और ठोस सहमति बन पाना बाकी है। भारत की आधी जनसंख्या महिलाएं हैं, लेकिन निर्णय लेने वाली संस्थाओं में उनकी भागीदारी बेहद सीमित रही है। संसद की संरचना में लंबे समय से यह असंतुलन दिखाई देता रहा है। लोकसभा और राज्यसभा में महिलाओं की संख्या धीरे-धीरे बढ़ी जरूर है, लेकिन यह अब भी उस स्तर तक नहीं पहुंची है, जो लोकतंत्र की वास्तविक प्रतिनिधिकता को दर्शा सके। ऐसे में महिला आरक्षण विधेयक को महिलाओं के लिए राजनीतिक अवसरों का द्वार खोलने वाला कदम माना जाता रहा है। इस विधेयक का मूल उद्देश्य संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक निश्चित प्रतिशत सीटों को आरक्षित करना था, ताकि वे सीधे तौर पर नीति-निर्माण की प्रक्रिया का हिस्सा बन सकें। लेकिन जब यह विधेयक संसद में गिर जाता है, तो यह कई सवाल खड़े करता है—क्या राजनीतिक दल वास्तव में महिलाओं को नेतृत्व में आगे देखना चाहते हैं? क्या लोकतंत्र में समान प्रतिनिधित्व की बात केवल भाषणों तक ही सीमित है? राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि महिला आरक्षण विधेयक के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा राजनीतिक सहमति की कमी रही है। कई दल सिद्धांत रूप से महिलाओं के आरक्षण का समर्थन करते हैं, लेकिन जब इसे लागू करने की बात आती है, तो विभिन्न प्रकार के तर्क सामने आने लगते हैं—जैसे सामाजिक संतुलन, जातीय प्रतिनिधित्व या राजनीतिक समीकरण। इन बहसों के बीच अक्सर मूल उद्देश्य पीछे छूट जाता है, जो कि महिलाओं को समान अवसर देना है। विडंबना यह है कि स्थानीय स्तर पर महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रयोग पहले ही सफल साबित हो चुका है। पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं को आरक्षण दिए जाने के बाद लाखों महिलाएं जनप्रतिनिधि बनकर सामने आई हैं और उन्होंने प्रशासन, विकास और सामाजिक मुद्दों पर प्रभावी नेतृत्व भी दिखाया है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि यदि अवसर मिले तो महिलाएं राजनीति में भी उतनी ही प्रभावी भूमिका निभा सकती हैं जितनी अन्य क्षेत्रों में निभा रही हैं। महिला आरक्षण विधेयक का संसद में गिरना केवल एक राजनीतिक घटना नहीं है, बल्कि यह सामाजिक सोच की भी परीक्षा है। यह हमें यह सोचने के लिए मजबूर करता है कि क्या हम वास्तव में लैंगिक समानता को लेकर गंभीर हैं।

दैनिक राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ।

नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

वृषभ: इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो।

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे।

मिथुन: का, की, कु, घ, ङ:, छ, के, को, हा।

मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

कर्क: ही, हे, हु, हो, डा, डी, डू, डे, डो।

घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा।

सिंह: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे।

नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कन्या: टो, पा, पी, पू, ष, ण:, ठ, पे, पो।

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

तुला: रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते।

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।

मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

धनु: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी।

कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कुंभ: गू, गे, गो, सो, सी, सू, स, से, दा।

व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

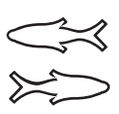

मीन: दी, दू, थ, झ, यं, दे, दो, चा, ची।

नौकरी में रुतबा बढ़ेगा। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक पुरुषोत्तम पाण्डेय द्वारा मौनेक्स ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, बी-12, निकट एमएमजी अस्पताल, शंभू दयाल काम्पलेक्स, जीटी रोड, गाजियाबाद से मुद्रित एवं 498 प्रथम तल, मैत्री लेन, सैक्टर-5, वैशाली गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक : विजय प्रकाश पाठक
Mob : 9910460742
website : www.swastiksahara.com
E-mail : swastiksaharanews@gmail.com

विधि सलाहकार
टेट्रा लीगल एलएलपी, लॉ फर्म, नई दिल्ली
मो. नं.: +91 99990 74369
ओमीलाल वर्मा (एडवोकेट)
मो. नं.: 98109 03664

City Office:
11, Maliwara, Near Pyarelal Park, Vasant Road, Ghaziabad-201001Phone : 0120-4252839

महिला कोटे से जुड़े संविधान बिल के लुढ़कने के सियासी निहितार्थ

कमलेश पांडे

इंडिया गठबंधन की विपक्षी एकजुटता ने पुनः सत्ताधारी गठबंधन एनडीए की नींद उड़ा दी है। ऐसा इसलिए कि लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026, जो लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण लाने से जुड़ा था, 16 अप्रैल 2026 को वोटिंग में गिर गया। इसके पक्ष में 298 और विपक्ष में 230 वोट पड़े, जबकि न्यूनतम दो-तिहाई बहुमत (लगभग 352 वोट) की आवश्यकता थी, जो सरकार के रणनीतिकारों ने नहीं जुटा पाए। शायद पहली बार सदन में अमित शाह की रणनीति पिट गई। इसका राजनीतिक प्रभाव यह रहा कि मोदी सरकार के लिए 12 साल में पहली बड़ी संवैधानिक हार हुई है, जो विपक्ष की एकजुटता को दर्शाता है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसे संविधान पर हमला बताकर कांग्रेस-विपक्ष की रणनीति की जीत घोषित की, जबकि भाजपा इसे विपक्ष विरोधी हथियार बनाने की योजना बना रही है। एक सत्ता विरोधी रणनीति के तहत जहां विपक्ष ने बिल को छलावा करार दिया, वहीं दावा किया कि यह परिसीमन और चुनावी नक्शा बदलने की साजिश है। वहीं, एक एनडीए नेता के अनुसार, बिल गिरने से सरकार अब सड़क पर विपक्ष को महिलाओं के अधिकारों के नाम पर घेरेगी।

हालांकि, सरकार ने शेष दो बिल (परिसीमन और अन्य) आगे नहीं बढ़ाए, क्योंकि वे मुख्य बिल पर निर्भर थे। एचएम अमित शाह और पीएम मोदी विपक्ष के विरोध को कांग्रेस के इतिहास से जोड़कर जनता में प्रचार करेंगे। यह 2029 चुनावों से पहले राजनीतिक ध्रुवीकरण तेज कर सकता है। लेकिन इसका साइड इफेक्ट्स पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के विधानसभा चुनावों में भी दिख सकता है, क्योंकि विपक्षी एकजुटता का पुनः संदेश गया है।

वहीं, मोदी सरकार महिला आरक्षण बिल को दोबारा लाने के लिए रणनीतिक बदलाव कर सकती है, खासकर 16 अप्रैल 2026 को लोकसभा में हार के बाद। समझा जाता है कि सरकार नई विधेयक रणनीति के तहत दो या तीन नए विधेयक ला सकती है: पहला लोकसभा सीटें बढ़ाकर (543 से 850 तक) 33% महिला आरक्षण सुनिश्चित करेगा, जिसमें एससी/एसटी के लिए सब-कोटा भी शामिल होगा। लेकिन फिर सवाल उठेगा कि ओबीसी और ईडब्ल्यूएस के लिए क्यों नहीं? दूसरा परिसीमन आयोग स्थापित करेगा, लेकिन इसे राज्यों के अनुमोदन से अलग रखा जा सकता है ताकि दो-तिहाई बहुमत आसान हो।

सरकार का मानना है कि विपक्ष से सहमति निर्माण के बाद आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, क्योंकि पीएम मोदी सभी दलों को पत्र लिखकर सर्वसम्मति की अपील कर चुके हैं, इसी सिलसिले में कांग्रेस और अन्य विपक्षियों से बातचीत जारी है। महिला कोटा बिल को 2029 चुनावों से पहले लागू करने के लिए 2011 जनगणना पर आधारित संशोधन पर जोर दिया, और नई जनगणना-परीक्षण का इंतजार खत्म किया जाएगा। इसके निमित्त संसदीय प्रक्रिया यह हैं कि विशेष सत्र बुलाकर

संशोधित बिल पेश करना संभव होगा, जहां 18 घंटे लोकसभा और 10 घंटे राज्यसभा चर्चा होगी। वहीं सड़क पर प्रचार के साथ विपक्ष को ओबीसी हितों पर घेराव, जिससे राजनीतिक दबाव बनेगा। यह 2029 से पहले बहुमत जुटाने की कोशिश होगी।

इस प्रकार देखा जाए तो महिला आरक्षण बिल को 2029 से पहले लागू करना संवैधानिक रूप से जटिल है, क्योंकि इसके लिए परिसीमन प्रक्रिया अनिवार्य है जो 2011 जनगणना पर आधारित होनी चाहिए। इसका संभावित विकल्प संशोधित बिल पुनर्प्रस्तावहै जिसके तहत सरकार दोबारा संशोधित विधेयक ला सकती है, जिसमें लोकसभा सीटें बढ़ाकर (543 से 850 तक) 33% महिला कोटा सुनिश्चित हो, लेकिन विपक्ष सहमति के बिना दो-तिहाई बहुमत मुश्किल है। इसलिए विपक्ष से सर्वसम्मति की पहल तेज है। सरकार सभी दलों से बातचीत तेज कर विशेष सत्र बुलाना, परिसीमन को अलग रखकर बिल पास करवाना, हालांकि विपक्ष इसे परिसीमन साजिश मान रहा है।

जहाँ तक व्यावहारिक बाधाओं की बात है तो परिसीमन आयोग को पब्लिक हियरिंग और प्रक्रिया में कम से कम 2-3 वर्ष लगते हैं, इसलिए 2029 चुनाव से पहले पूरा होना असंभव है। वहीं बिल गिरने से अब अगली जनगणना (2031) और उसके बाद के परिसीमन तक (2034+) देरी तय, दक्षिणी राज्यों की चिंताएं टल सकती हैं। सरकार सड़क प्रचार पर जोर देगी। वहीं विपक्ष ने लोकसभा में गिरे महिला आरक्षण संविधान संशोधन बिल पर मुख्य रूप से परिसीमन प्रक्रिया, ओबीसी/एससी/एसटी सब-कोटा और राजनीतिक साजिश को लेकर आपत्तियां दर्ज कीं। मुख्य आपत्तियां निम्नलिखित हैं:- पहला, परिसीमन साजिशः बिल को लोकसभा/विधानसभा सीटें बढ़ाने और 2011 जनगणना पर परिसीमन से जोड़ा गया, जिसे विपक्ष ने उत्तर भारत (विशेषकर भाजपा शासित राज्यों) को लाभ पहुंचाने वाली सीट रिबनिंग करार दिया। फलतः दक्षिणी राज्य अपनी सीटें खोने के डर से विरोधी हो गए।

दूसरा, ओबीसी/ईडब्ल्यूएस आरक्षण अनुपस्थितिः 33% महिला कोटा में ओबीसी, ईडब्ल्यूएस के लिए सब-कोटा न होने से सामाजिक न्याय का उल्लंघन ठहराया, और इसे सवर्ण महिलाओं के लिए नया मौका बताया।

तीसरा, संविधान पर हमलाः राहुल गांधी ने इसे संविधान बचाओ का मुद्दा बनाया, और दावा किया कि बिल चुनावी नक्शा बदलकर विपक्ष कमजोर करेगा। इस प्रकार राजनीतिक तर्क देते हुए विपक्ष ने इसे छलावा कहा, क्योंकि लागू होने में 2029-34 तक देरी होगी। इसलिए एकजुट होकर वोटिंग में भाजपा नीत एनडीए को हराया।

वहीं, मोदी सरकार ने विपक्ष की आपत्तियों का जवाब देते हुए बिल को महिलाओं के सशक्तिकरण का ऐतिहासिक कदम बताया, जो 25-30 साल पहले ही लागू हो जाना चाहिए था। परिसीमन पर स्पष्टीकरण देते हुए सरकार ने कहा कि परिसीमन 2011 जनगणना पर आधारित होगा, जो निष्पक्ष है और दक्षिणी राज्यों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा; यह सीट वृद्धि के साथ संतुलित होगा। अमित शाह ने चुनौती दी कि यदि विपक्ष संशोधन चाहे तो सदन एक घंटा रोकें, वे तुरंत बदलाव लाएंगे।

वहीं, ओबीसी/एससी/एसटी कोटा पर जवाब देते हुए सरकार ने ओबीसी/ईडब्ल्यूएस सब-कोटा की मांग पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए सरकार ने स्पष्ट कहा कि संविधान धर्म या जाति आधारित अतिरिक्त आरक्षण की अनुमति नहीं देता; इसलिए मौजूदा एससी/एसटी कोटा में महिलाओं को प्राथमिकता रहेगी। पीएम मोदी ने विपक्ष को महिलाओं के खिलाफ करार दिया, और कहा कि पंचायत स्तर पर सफलता साबित हो चुकी है।

हालांकि राजनीतिक आरोपों का खंडन करते हुए और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के संविधान पर हमला सम्बन्धी दावे पर शाह ने कहा कि विपक्ष सैद्धांतिक रूप से सहमत था लेकिन वोटिंग में नकारा; अब सड़क पर इसका जवाब मिलेगा। सभी दलों से सर्वसम्मति की अपील की गई। उल्लेखनीय है कि महिला आरक्षण बिल (संविधान 131वां संशोधन विधेयक 2026) के प्रमुख प्रावधान लोकसभा, और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए कुल सीटों का एक-तिहाई आरक्षण सुनिश्चित करने से जुड़े हैं, जिसका

मुख्य प्रावधान इस प्रकार है

पहला, आरक्षण का दायराः लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में कुल सीटों का 33% महिलाओं के लिए आरक्षित, जिसमें एससी/एसटी आरक्षित सीटों का भी एक-तिहाई हिस्सा शामिल है।

दूसरा, परिसीमन प्रक्रियाः 2011 जनगणना पर आधारित परिसीमन आयोग द्वारा सीटों का आवंटन और रोटेशन, जिसमें लोकसभा सीटें 543 से बढ़ाकर 850 तक प्रस्तावित है।

तीसरा, अवधि और प्रभावी तिथिः 15 वर्ष के लिए (संसद द्वारा विस्तार योग्य), अगले परिसीमन के बाद 2029 चुनावों से लागू होगा।

चौथा, अतिरिक्त विशेषताएंः रोटेशन आधारित सीटें प्रत्येक परिसीमन में बदलेंगी, लेकिन ओबीसी/ईडब्ल्यूएस सब-कोटा शामिल नहीं होना भी विवाद का कारण बना।

विकास और सुशासन के मुद्दों पर भी काम करे मीडिया

प्रो. संजय द्विवेदी

मीडिया की ताकत आज सर्वव्यापी है और कई मायनों में सर्वग्रासी भी। ऐसे में विकास के सवालों और उसके लोकव्यापीकरण में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो उठी है। यह एक ऐसा समय है, जबकि विकास और सुशासन के सवालों पर हमारी राजनीति में बात होने लगी है, तब मीडिया में यह चचाएं न हों यह संभव नहीं है। समाज विकास की प्रक्रिया और उसकी आकांक्षाएं मीडिया में दर्ज हों, ऐसी उम्मीद की जाती है। इन विषयों की रिपोर्टिंग के लिए तमाम पत्रकार आगे आ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर भी विकास की पत्रकारिता को एक नई नजर से देखा जा रहा है। भारत में विकास की पत्रकारिता और उसके सवालों से जूझने के लिए पत्रकारों की एक पूरी पीढ़ी तैयार है, किंतु मुख्यधारा के मीडिया के द्वारा इन विषयों को तरजीह न दिए जाने के कारण निराशा ही हाथ लगती है। संकट पत्रकारों की ओर से नहीं, मीडिया संस्थानों और प्रबंधकों की ओर से है। विकास का मुद्दा क्या सिर्फ सरकारी विज्ञापनों का विषय है, सरकारी मीडिया का विषय है, या यह समाज में हो रहे नवाचारों का भी विषय है। विकास पत्रकारिता को पाठ्यक्रम के साथ मीडिया कर्म का भी हिस्सा होना चाहिए।

भारत जैसे विविधता और बहुलता भरे समाज में सभी उम्मीदों, सपनों और बदलावों को रेखांकित कर पाना कठिन है। क्योंकि विकास के अनेक तल हैं और देश में समाज की रचना भी बहुस्तरीय है, देश में कहावत प्रचलित है 'चार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणी', इसलिए किसी राज्य को भी एक ही पैमाने से नहीं नापा जा सकता। जैसे मध्य प्रदेश में एक तरफ समृद्ध मालवा है, तो दूसरी ओर झाबुआ जैसे इलाके भी हैं। एक तरफ इंदौर की चमक है, तो दूसरी ओर अलीराजपुर जैसे क्षेत्र भी हैं। छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ है, तो भिलाई भी है। ऐसे में पत्रकारों या विकास के सवालों पर लिखने वालों की चुनौतियां बढ़ जाती हैं। इसी तरह विकास की भूमिका भी यहां विस्तृत और परिवर्तित हो जाती है। हम देखें तो 1950 के पहले आर्थिक विकास हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण था। किंतु 1950 के बाद की चिंताएं अलग हो गयी। बाद के दिनों में सामाजिक विकास को एक बड़ा कारक माना जाने लगा है। सामाजिक न्याय से लेकर स्थाई विकास के सवाल अब बड़े हो गए हैं। यहां तक कि पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चीजें भी हमारे सामने हैं।

एक समय में विकसित और विकासशील देशों की बहसें भी हमने

सुनीं जिनमें मैकब्राइड कमीशन की रिपोर्ट एक अलग तरह से बात करती हुयी नजर आती है, जिनमें कुछ सवाल आज भी मौजू हैं। नियंत्रित मीडिया से मीडिया के चौतरफा विकास का समय भी आया जिसमें कुछ भी छिपाना और दबाना असंभव सा हो गया। कई बार यह भी लगता रहा कि विकास का सवाल सिर्फ सरकारी माध्यमों (मीडिया) के लिए ही महत्व का है, बाकी माध्यमों का अपना एजेंडा और राय अलग है। यहां यह भी देखना जरूरी है कि कम्युनिकेशन (संचार) सिर्फ सूचनाओं का हस्तांतरण नहीं है। बल्कि पक्षधरता के साथ, न्याय के लिए खड़ा होना भी है। जन को ताकतवर बनाना भी है। अवसर की समानता की अवधारणा को प्रचारित और स्थापित करना भी है।

विकेन्द्रीकरण ने विकास के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। जिनके भी ठोस और वाजिब हल हमें ढूंढने चाहिए। जैसे पंचायती राज में भारत ने एक लंबी छलांग लगाई है। सत्ता इसके चलते पंचायतों तक पहुंची, पर सवाल यह है कि क्या इससे लोकतंत्र मजबूत हुआ है? क्या संसदीय राजनीति और चुनावों की तमाम बुराईयां हमारी पंचायतों तक नहीं पहुंच गयी? वहीं हम मीडिया को देखें तो उसका भी विस्तार हुआ है। व्यापकता बढ़ी है, पहुंच भी बढ़ी है। पर सवाल यह है कि क्या मीडिया में संवेदनशीलता, ग्रहणशीलता और विविधता को आदर देने की उसकी भावना भी बढ़ी है, तो शायद उत्तर नकारात्मक ही हो। तीनों तंत्रों (कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका) से निराश लोग मीडिया की ओर बहुत उम्मीदों से देखते हैं। कई अर्थों में सत्ता का तो विकेन्द्रीकरण दिखता है, किंतु मीडिया धीरे-धीरे केन्द्रीकरण का शिकार हो रहा है। इसलिए जरूरी है क्रास मीडिया ओनरशिप के बारे में भी भारत जैसे देश सोचें। ताकि मीडिया के एकाधिकार के खतरों से बचा जा सके। इसके साथ ही प्रेस कौंसिल जैसी नख-दंत हीन संस्था के अधिकारों और क्षेत्राधिकार में बदलाव करते हुए उसे मीडिया कौंसिल में बदला जाना जरूरी है ताकि वह आज के प्रभावी मीडिया को भी अपनी चर्चा में ले सके।

हम जिस संकट से दो चार हैं, वह यह है कि सूचनाएं बढ़ गई हैं और खबरें घट गई हैं। अखबारों के पन्ने बढ़ गए हैं, किंतु इनसे आम-आदमी गायब है। चैनल अब चौबीस घंटे कुछ बोलते हैं, पर उनमें विकास और जनता के सवालों की जगह बहुत कम है। जबकि विकास की पत्रकारिता की मुक्ति इसमें है कि जो लोग मीडिया तक नहीं पहुंच सकते, मीडिया उन तक पहुंचे। उनका दर्द सुने। अच्छी और उम्मीद जगाने वाली खबरों की ओर जाएं।

हमारी राजनीति बदल रही है, हमारा समाज बदल रहा है किंतु हमारे मीडिया के सोचने और अभिव्यक्त करने की शैली उस तुलना में नहीं बदली जैसी बदलनी चाहिए। आज यह मान्यता बन चुकी है कि विकास भारतीय मीडिया की प्राथमिकता नहीं है, शायद समाज भी उसकी प्राथमिकता नहीं है। हमारे नागरबोध ने मीडिया को समाज से बड़ा बना दिया है। किंतु यह तय मानिए कि कोई भी मीडिया, कोई भी राजनीति और कोई भी व्यक्ति समाज से बड़ा नहीं हो सकता। 18 से 25 साल और 18 से 35 साल के युवाओं के बीच बाजार खोज रहे मीडिया की चिंताएं अलग हो सकती हैं किंतु समाज की चिंताएं कुछ भिन्न हैं।

वे ही वास्तविक चिंताएं हैं। मीडिया अगर इन चिंताओं से अलग व्यवहार कर रहा है तो वह अपने अस्तित्व पर संकट स्वयं रच है। विश्वसनीयता और प्रामणिकता के संकट तो उसके साथ संयुक्त हैं ही। मीडिया के नेतृत्वकताओं के लिए यह सोचने का सही समय है कि जब सारा देश विकास और सुशासन के सवालों पर गंभीर हो रहा है, उसमें अपने शासकों से जवाब मांगने की हिम्मत आ रही है, तो हमारा मुख्यधारा का मीडिया क्या कर रहा है? ऐसे तमाम सवाल मीडिया के नेतृत्वकताओं के सामने आज उपस्थिति हैं, अगर इन सवालों के हल हमने आज नहीं तलाशे तो कल बहुत देर हो जाएगी।

असहज सच से मुंह मोड़ने की 'सेकुलर' कीमत

बलबीर पुंज

सच से आंखें चुराकर समाज कभी मजबूत नहीं बनता। जब किसी संकट को जानबूझकर नकार दिया जाता है, तो वह और गहरी जड़ पकड़ लेता है। स्वतंत्र भारत में दशकों से यही हो रहा है, जहां स्वघोषित सेकुलरवादी-उदारवादी कुनबा सांप्रदायिक सौहार्द के नाम पर हर उस असुविधाजनक तथ्य-खुलासे को दबाना या 'प्रोपेगेंडा' बताना चाहता है, जो न तो न्याय संगत है और न ही सामाजिक समरसता-स्थिरता के लिए आदर्श। वर्षों से यह बहरूपिया वर्ग हिंदू-मुस्लिम 'एकता' और 'गंगा-जमुनी तहजीब' का पाठ पढ़ाने में लगा है, मानो उपदेश ही समाधान हो।

विडंबना देखिए— इनके उपदेशों का फल न तो शांति के रूप में दिखा, न ही सौहार्द के रूप में। उलटे, जब भी समाज में कटुता बढ़ी, तो उसका ठीकरा बड़ी सहजता से आरएसएस-भाजपा के सिर फोड़ दिया जाता है, मानो जैसे पूरी फसाद की जड़ वहीं हो। परंतु इतिहास की कसौटी पर यह निष्कर्ष बार-बार दम तोड़ देता है।

जो लोग किसी हिंदू को 'कट्टर' और 'नफरती' घोषित करने में क्षणभर की देर नहीं लगाते, वे महाराष्ट्र के नासिक प्रकरण पर या तो चुप है, या उसे 'निजी रंजिश' का लबादा ओढ़ाने में जुटे है। आरोप है कि 'टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज' से जुड़ी एक इकाई में कार्यरत मुस्लिम कर्मचारी, विशेषकर आर्थिक-सामाजिक रूप से कमजोर हिंदू युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर मतांतरण के लिए दबाव बना रहे थे। इसमें एच.आर. निदा खान, जिसे 'लेडी कैप्टन' कहा गया है, उसपर आरोप है कि उसने पहले हिंदू महिला कर्मचारियों से नजदीकी बढ़ाकर उनका भरोसा जीता, फिर धीरे-धीरे उनपर नमाज पढ़ने और हिजाब अपनाने का दबाव थोपना शुरू कर दिया। यह घटना अकेली नहीं, न ही किसी क्षणिक भूल का परिणाम है। इसके पीछे एक ऐसी प्रवृत्ति है, जो दशकों से समान ढंग से संचालित होती आ रही है, जिसमें छल, फरेब, शोषण और दबाव का एक सुनियोजित ताना-बाना छिपा है। इसकी जड़ें वैचारिक-मजहबी आधार में मिलती हैं, जिसमें इस्लाम का प्रसार करके 'सवाब' मिलने की अवधारणा है और मकसद किसी भी क्षेत्र की जनसांख्यिकीय संरचना को बदलना है। उत्तरप्रदेश के लखनऊ में डॉ.रमीजुद्दीन, उसके अब्बू सलीमुद्दीन और अम्मी खतीजा पर आरोप है कि उन्होंने हिंदू महिलाओं को फंसाकर उनका शारीरिक उत्पीड़न किया, फिर गर्भपात के लिए मजबूर करके मतांतरण का दबाव डाला। इसी

तरह उत्तराखंड के देहरादून में एक मुस्लिम छात्रा पर अपनी हिंदू सहपाठी को मतांतरण और मुस्लिम युवक से विवाह के लिए प्रेरित करने का मामला चल रहा है। कर्नाटक के बेलगावी में एक दलित विवाहिता ने रफीक और उसकी पत्नी कौसर पर मिलकर यौन-शोषण करने और जबरन इस्लाम अपनाने का आरोप लगाया है। हाल ही उत्तरप्रदेश के मिजार्पुर और अलीगढ़ में कई जिलों का मतांतरण में लिप्त होने का भंडाफोड़ हुआ था, जिसमें रेलवे पुलिसकर्मी इरशाद खान के साथ इमरान खान और रजा खान आदि पर धोखा देकर हिंदू महिलाओं का यौन-शोषण, दुष्कर्म और मतांतरण करने का आरोप हैं। पिछले कुछ वर्षों में देशभर के कई शहरों में संगठित मतांतरण में शामिल सरगनाओं का खुलासा हुआ है, जिसमें जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा भी शामिल है। हर जगह एक जैसी कहानी उभरती है: पहले संपर्क, फिर धोखे से विश्वास जीतना, उसके बाद यौन-शोषण, और अंततः विवशतापूर्ण मतांतरण। यह क्रम इतनी बार दोहराया गया है कि अब इन्हें संयोग कहना कठिन होता जा रहा है। अजमेर में 1992 का प्रकरण तो मानो इस प्रवृत्ति का भयावहतम उदाहरण है। इसमें फारूक-नफीस चिश्ती आदि ने सैकड़ों हिंदू स्कूली छात्राओं को निशाना बनाया, बहला-फुसलाकर उनका यौन-शोषण किया और फिर तस्वीरों के माध्यम से उनपर दबाव डाला। इस मामले में तीन दशक बाद अगस्त 2024 में अदालत ने छह दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह मान लेना गलत होगा कि संगठित मजहबी प्रवृत्ति हालिया या कुछ वर्ष पुरानी है। इसमें 'लव-जिहाद' संज्ञा भले ही नई हो, परंतु हिंदू-ईसाई समाज पिछली एक सदी से इस जहरीले चिंतन पर अपनी चिंता प्रकट कर रहे हैं। गांधीजी ने 5 फरवरी 1925 को रावलपिंडी में कहा था: 'मुसलमान कभी किसी स्त्री को भगा ले जाते और उसे मुसलमान बना लेते है, कोई मेरी स्त्री भगा लेकर जाए और वह कलमा पढ़ ले, तो मेरा इस संसार में जीना ही अशक्य हो जाए, तब या तो मैं आपसे आकर यह कहूंगा कि आप (उसकी रक्षा करने में) मेरी सहायता करें या आपसे प्रार्थना करुंगा कि उसे फिर से हिंदू बनाएं।' एक अमेरिकी ईसाई मिशनरी क्लिफर्ड मैनशार्ट ने 1936 में लंदन से प्रकाशित अपनी पुस्तक 'द हिंदू-मुस्लिम प्रॉब्लम इन इंडिया' में उद्धृत किया था, 'मुसलमान भरोसे लायक नहीं। वे हिंदुओं की महिलाओं को चुराने और बहकाने की कोशिश करते हैं।' इन विचारों में उस समय की बेचैनी साफ दिखती हैं, जो आज भी कहीं छद्म-सेकुलरवाद के कारण बरकरार है। यह विकृति केवल भारत तक सीमित नहीं है। ब्रिटेन का चर्चित 'ग्रूमिंग गैंग' प्रकरण इसका प्रमाण है। कुछ दिन पहले लंदन में भी एक 14 वर्षीय सिख लड़की के साथ इसी प्रकार की घटना सामने आई थी। इन मामलों से यह स्पष्ट होता है कि पहचान, शक्ति और शोषण का यह संबंध किसी एक देश तक सीमित नहीं है।

अब तक वामपंथी और स्वयंभू सेकुलरवादी भारत में मजहबी कट्टरता और आतंकवाद को मुस्लिम समाज में मौजूद 'अशिक्षा, बेरोजगारी और गरीबी' का परिणाम बताकर या उसे केवल 'मुल्ला-मौलवियों' तक सीमित करके देखते रहे हैं। किंतु गत वर्ष दिल्ली में मुस्लिम डॉक्टरों द्वारा फिदायीन हमले और नासिक में पढ़े-लिखे 'व्हाइट कॉलर' कर्मचारियों पर लगे संगठित मतांतरण के आरोपों ने फिर से स्थापित कर दिया है कि जिहाद का आर्थिक-शैक्षणिक-सामाजिक स्थिति से कोई लेनादेना नहीं है।

निसंदेह, किसी भी सभ्य समाज में दो वयस्कों के प्रेम के बीच मजहब या जाति की दीवार खड़ी नहीं होनी चाहिए। परंतु जब संबंध की नींव ही छल, पहचान छिपाने और दबाव पर टिकी हो, तो उसे 'प्रेम' कहना स्वयं प्रेम की अवधारणा के साथ अन्याय होगा। फिर भी भारत का एक वर्ग इन सभी तथ्यों को गौण बताकर या 'प्रोपेगेंडा' कहकर नकार देता है। असुविधाजनक प्रश्नों से भागना समाधान नहीं है। 'सेकुलरवादियों' के दशकों पुराने कपटपूर्ण व्यवहार के कारण आज साधारणजन का विश्वास 'सेकुलरवाद' से उठ गया है।

शहर में अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल कैंप, इंग्लैंड के कोच क्लाइव कास्टिलो देंगे एलीट ट्रेनिंग

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। भारतीय बास्केटबॉल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई दिशा देने की पहल करते हुए उल्हास युवीपेप बास्केटबॉल अकादमी ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। जिसमें अकादमी द्वारा बास्केटबॉल के युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयार करने के लिए विशेष ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया जा रहा है जिसके लिए इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम और लंदन लायंस (यूरोलीग/यूरोकप) के हेड कोच क्लाइव कास्टिलो भारत पहुंच चुके हैं, जहां वे देश के उभरते खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण देंगे। चार दिवसीय ट्रेनिंग कैंप को लेकर अकादमी के पदाधिकारियों ने सेक्टर 21 ए स्थित इंडोर स्टेडियम में प्रेसवार्ता की और आयोजन के बारे में विस्तार से चर्चा की। अकादमी के को-फाउंडर उल्हास के.एस. ने प्रेसवार्ता के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि स्पोर्ट्स सोल के सहयोग से आयोजित यह 4-दिवसीय प्रो-लेवल एलीट कैंप नोएडा इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से यूरोप की आधुनिक और पेशेवर बास्केटबॉल तकनीकों को सीधे भारतीय खिलाड़ियों तक पहुंचाया जा रहा है। यूरोलीग हेड कोचेस बोर्ड से प्रमाणित कोच कास्टिलो खिलाड़ियों को वही ट्रेनिंग देंगे, जो यूके और यूरोप में कॉलेज बास्केटबॉल के लिए आवश्यक मानी जाती है। व इअ की इस पहल को एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, जहां अब खिलाड़ियों को विदेश जाने के बजाय अंतरराष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग अपने देश में ही उपलब्ध हो रही है। कैंप का आयोजन 19 से 22 अप्रैल के बीच किया जाएगा जिसमें दोपहर 1.30 बजे से 5 बजे तक पहला सत्र और शाम 5 बजे से 8 बजे तक दूसरा सत्र आयोजित किया जाएगा, कैंप में 10 वर्ष से 20 वर्ष आयु तक के लड़के और लड़कियां शामिल हो सकते हैं।

स्पोर्ट्स सोल के डायरेक्टर तुषार अरोड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लेने वाले सभी खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय कोच क्लाइव कास्टिलो द्वारा एलीट प्रशिक्षण, प्रतिस्पर्धी मैच प्ले और गेम सिचुएशन अभ्यास, फिजियोथेरेपी, पोषण एवं प्रदर्शन विश्लेषण, आधिकारिक UYBA जर्सी और प्रमाण पत्र दिए जायेंगे। यह कैंप उन खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर साबित हो सकता है, जो यूरोपीय स्तर की तकनीक, निष्पक्ष मार्गदर्शन और अंतरराष्ट्रीय अवसरों की तलाश में हैं। यह पहल भारतीय बास्केटबॉल को वैश्विक मंच से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

आईएमएस-डीआईए में ओपन-डे 2026 का आयोजन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। आईएमएस डिजाइन एण्ड इनोवेशन एकेडमी (आईएमएस-डीआईए) ने सफलतापूर्वक ओपन-डे 2026 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में डिजाइन करियर को समझने के इच्छुक छात्रों, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के लिए फैशन, ज्वेलरी, इंटीरियर, कम्युनिकेशन, लग्जरी प्रोडक्ट डिजाइन और फाउंडेशन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लाइव वर्कशॉप आयोजित की गईं। आज के वर्कशॉप में प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए रचनात्मक प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया। आईएमएस-डीआईए के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान देना नहीं, बल्कि उन्हें भविष्य की चुनौतियों और उभरते अवसरों के लिए सक्षम बनाना है। उन्होंने कहा कि हम नई शिक्षा नीति के तहत स्किल बेस्ड लर्निंग और क्रिएटिव एजुकेशन मॉडल पर विशेष जोर रहे हैं। साथ ही आईएमएस-डीआईए स्कूलों के साथ साझेदारी के माध्यम से छात्रों को शुरूआती स्तर पर ही डिजाइन थिंकिंग, इनोवेशन और प्रैक्टिकल लर्निंग से जोड़ रहा है। चिराग गुप्ता ने बताया कि संस्थान में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग पर विशेष जोर दिया जाता है, ताकि छात्र केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि वास्तविक प्रोजेक्ट्स पर काम करते हुए इंडस्ट्री की जरूरतों को समझ सकें। इससे छात्रों में समस्या समाधान क्षमता, इनोवेशन और प्रोफेशनल स्किल्स का विकास होता है। आईएमएस-डीआईए के डीन प्रोफेसर डॉ.एमकेवी नायर ने बताया कि आज के कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पैनल डिस्कशन रहा, जिसमें विशेषज्ञों ने एआई के वास्तविक प्रभाव बनाम संभावित खतरे, सस्टेनेबिलिटी, क्रिएटर इकॉनमी, फ्रीलांसिंग बनाम नौकरी बनाम उद्यमिता तथा बिजनेस टूल के रूप में डिजाइन जैसे समसामयिक और महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। इसी को ध्यान में रखते हुए छात्रों को इंडस्ट्री-ओरिएंटेड शिक्षा, आधुनिक लैब्स और विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है।

विश्व हिंदू महासंघ जिला गौतम बुद्ध नगर टीम द्वारा की गयी नरसेवा नारायण सेवा

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। विश्व हिंदू महासंघ जिला गौतम बुद्ध नगर द्वारा मानसिक रुप से अस्वस्थ एक 22 वर्षीय युवती डॉ पूजा कुमारी को अपना घर सेक्टर 34 को सौंपा गया। विश्व हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष विपिन चौधरी नें बताया की रात 9 बजे सेक्टर 110 पुलिस चौकी पर राजबाला के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई एक युवती, जो अपना नाम डॉ पूजा कुमारी बता रही है। और कुछ भी बताने में असमर्थ है और मानसिक बीमार अवस्था में घूम रही है। जिसकी उम्र करीब 20 से 22 साल होंगी। उन्होंने बताया की सूचना मिलते ही अपना घर आश्रम की सोनिया भारद्वाज से संपर्क किया गया। तब अपना घर की टीम घटनास्थल पहुंची। विश्व हिंदू महासंघ के जिला अध्यक्ष विपिन चौधरी, चौकी प्रभारी अनुज कुमार, नोएडा महानगर अध्यक्ष मातृशक्ति प्रकोष्ठ किरण त्यागी मौके पर पहुंची और डॉ पूजा कुमारी (प्रभु जी) को थाना फेज 2 जीडी में अपडेट कराकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंगेल मे मेडिकल परीक्षण करवाया। सारी फॉर्मेलिटी पूरी होने के बाद अपना घर की एम्बुलेंस द्वारा रात्रि 12 बजे युवती को अपना घर आश्रम भेजा गया। इस पुण्य वाले कार्य में चौकी प्रभारी 110 अनुज कुमार, सोनिया भारद्वाज, महिला कांस्टेबल चंचल, जिला प्रभारी चौधरी तेज सिंह, महानगर अध्यक्ष मातृशक्ति किरन त्यागी आदि का सहयोग रहा।

जम्बूघाट श्रीरामजानकी मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में निकली कलश शोभायात्रा

आर के मिश्रा

परसपुर/गोण्डा। विकास खण्ड परसपुर के ग्राम पंचायत नरायनपुर साल स्थित जम्बूघाट पर नवनिर्मित श्रीरामजानकी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ रविवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु महिलाओं की सहभागिता ने आयोजन को विशेष बना दिया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्ति और उत्साह के माहौल में डूबा नजर आया।

भव्य कलश यात्रा नरायनपुर साल, बरतरा, मिश्रन पुरवा, करिंदा पुरवा, कप्तान पुरवा और पटखन पुरवा सहित विभिन्न गांवों से होते हुए जम्बूघाट पहुंची। सरयू नदी के तट पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच श्रद्धालुओं ने कलश में पवित्र जल भरकर यज्ञ मंडप में स्थापित किया। इस दौरान जय श्रीराम के उ दघोष से वातावरण गूंज उठा। मंदिर के महंत मोहन दास त्यागी ने बताया कि महोत्सव के तहत विधि-विधान से विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जा रहे हैं। यज्ञाचार्य रमेश चन्द्र शास्त्री के निर्देशन में कलश स्थापना के साथ वेदी पूजन एवं भगवान की प्रतिमा का जलाधिवास सम्पन्न हुआ। सायंकालीन बेला में श्रद्धालुओं के लिए संगीतमयी श्रीराम कथा का आयोजन किया गया, जिसमें प्रयागराज से आए मोहन दास शास्त्री एवं अवध धाम के गोरखनाथ शास्त्री द्वारा भक्तों को कथा का रसपान कराया जाएगा। कार्यक्रम में राधेश्वर तिवारी, बाल्मीकि दास जी महाराज (कचनापुर), प्रदीप तिवारी, पवन पाण्डेय, लल्लू, सुरेश, रामदेव चौबे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है और लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

पूजन अर्चन कर मनाई परशुराम जयंती

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

परसपुर/गोण्डा। नगर स्थित करनैलगंज विधायक अजय सिंह के आटा स्थित जन सेवा केन्द्र में रविवार को भगवान परशुराम की जन्म जयंती बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई गई। परसपुर के मण्डल अध्यक्ष वंशबहादुर सिंह ने भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा पौराणिक मान्यताओं के अनुसार परशुराम जी को अन्याय के विरुद्ध न्याय की स्थापना का प्रतीक माना जाता है।जोकि तपस्या और शक्ति का अनुपम संगम उदाहरण है।

इस अवसर पर प्रदीप तिवारी, श्रीनिवास शुल्ला,राजदेव शुक्ला, अंशू शुक्ला, राम मनोहर तिवारी, मनोज तिवारी, ऋचा पाण्डेय, देव प्रयाग अवस्थी, मनोज पाण्डेय सहित तमाम पदाधिकारी कार्यकर्तागण एवं क्षेत्रीयजनो ने उपस्थित होकर भगवान परशुराम जी को नमन करते हुये पुष्पांजलि अर्पित किया।

अनियंत्रित कार ने बाइक सवार दो युवकों को मारी टक्कर, घायल

मिजार्पुर। मिजार्पुर के हलिया थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक सड़क हादसे में अनियंत्रित कार ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए। हादसे के बाद कार चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना पूर्वा औसान सिंह गांव के पास हलिया-ड्रमंडगंज मार्ग पर हुई। जानकारी के अनुसार, चककोटार गांव निवासी 27 वर्षीय हरिशंकर कोल अपने साथी 20 वर्षीय मनीष के साथ बाइक से हलिया बाजार से सब्जी लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार और अनियंत्रित कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद कार में बाइक फंस जाने के कारण चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सूरज मौर्य और हरिशंकर मौर्य की मदद से दोनों घायलों को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पहुंचाया गया।

भगवान के चौबिस अवतारों की कथा का कराया रसपान

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

हलिया मिजार्पुर। विकासखंड हलिया के हथेड़ा गांव में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास पंडित विष्णुधर द्विवेदी ने वंदना के बाद भगवान के 24 अवतारों की कथा का रसपान कराया। कथा वाचक ने भगवान के 16वां अवतार भगवान परशुराम का वर्णन करते हुए कहा आज परशुराम जयंती के रूप में हम सारी दुनिया के लोग मना रहे हैं और भगवान परशुराम से मुझे शिक्षा लेनी चाहिए कि हमारे समाज में हमारे देश में सब प्रकार से किसी भी प्रकार की आपत्ति से निपटने के लिए पुरुषार्थ की आवश्यकता है। इसके बाद परीक्षित जन्म की कथा को सुनाते हुए बताया कि उत्तरा के गर्भ में अश्वत्थामा के द्वारा ब्रह्मास्त्र का प्रयोग करने के बावजूद भगवान नारायण श्री हरि ने उत्तरा के गर्भ की रक्षा किया जो परीक्षित के रूप में दुनिया में जाने जाते हैं, उन्हीं के द्वारा आज कथा हम लोगों को प्राप्त हो रही हैं, और इसके बाद व्यास जी ने बताया की महाराज कपिल ने अपनी मैया देवहूति को सांख्यशास्त्र का उपदेश करके बहुत ही अद्भुत अलौकिक भागवत लीला के प्रसंग का वर्णन किया। कथा सुन भक्त आनंदित हुए। इस अवसर पर लक्ष्मीकांत मिश्रा एडवोकेट, शिवनारायण मिश्रा, परमानंद शुक्ला, धनेश ओझा, विजय दुबे, शेषधर तिवारी, शिव मोहन शुक्ला, रमाकांत पांडेय, केदार पांडे, काशी प्रधान आदि सहित सैकड़ो श्रोता भक्त कथा का रसपान किया।

स्कूल चलो अभियान के तहत किया गया जनसंपर्क

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

टप्पल। श्रीमती रेवती गोयल राजकीय कन्या इंटर कॉलेज जट्टारी के शिक्षकों ने स्कूल चलो अभियान के तहत गांव कुराना व ब्रजा नगला के प्राथमिक विद्यालय और उच्च प्राथमिक विद्यालय का भ्रमण किया। प्रधानाचार्या डॉ. अर्चनेश शर्मा ने बताया कि अभियान के तहत घर-घर जाकर हमने लोगों से जनसंपर्क कर अभियान से लोगों को जागरूकता किया। अर्चनेश शर्मा ने बताया कि स्कूल चलो अभियान का उद्देश बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन कराना है। ताकि कोई बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित न रहे।

गर्मी शुरू होते ही बिजली कटौती तथा ब्रेक डाउन से जनता त्रस्त, हलिया फीडर को आज तक नहीं किया गया अलग

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

हलिया/मिजार्पुर। विकासखंड हलिया अंतर्गत विद्युत उपकेंद्र हलिया के उपभोक्ता गर्मी शुरू होते ही बिजली की कटौती तथा ब्रेकडाउन की वजह से ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है कहने को विद्युत विभाग की तरफ से ग्रामीण क्षेत्रों में 16 से 18 घंटे विद्युत आपूर्ति किए जाने का दावा किया जा रहा है लेकिन जमीनी हकीकत में जनता विद्युत विभाग की द्वारा की जा रही कटौती से त्रस्त है रात हो या दिन रोस्टिंग के नाम पर कटौती जहां शाम हुई रोस्टिंग तथा ब्रेकडाउन के नाम पर विद्युत कटौती की जा रही है विद्युत उपकेंद्र हलिया की हालत बद से बद्तर है हलिया बाजार के उपभोक्ताओं द्वारा वर्षों से हलिया फीडर को अलग करने की मांग की जा रही है लेकिन आज तक हलिया कस्बा के फीडर को अलग नहीं किया जा सका बताते चलें कि हलिया तथा मतवार की विद्युत सप्लाई एक ही फीडर से किया जाता है जबकि हालिया से मतवार क्षेत्र के अंतिम गांव की दूरी लगभग 30 किलोमीटर है जंगल के बीचो-बीच से हलिया फीडर से मतवार क्षेत्र को विद्युत आपूर्ति की जाती है ऐसे में आए दिन ब्रेकडाउन होने की वजह से हलिया कस्बे की विद्युत आपूर्ति बाधित हो जाती है आलम यह है कि गर्मी हो या बरसात हो मतवार क्षेत्र में ब्रेकडाउन होने पर पूरे फीडर की विद्युत आपूर्ति बाधित हो जाती है हलिया कस्बे के लोगों ने कई बार उच्च अधिकारियों तथा क्षेत्रीय विधायक सांसद से हलिया फीडर को अलग किए जाने की मांग की गई लेकिन न तो इस समस्या पर संबंधित अधिकारी ध्यान दे रहे हैं न तो जनप्रतिनिधि जिसका खामियाजा हलिया बाजार वासियों को भुगतना पड़ रहा है इस भीषण गर्मी में रोस्टिंग तथा ब्रेकडाउन की वजह से विद्युत आपूर्ति में व्यवधान उत्पन्न होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है हलिया बाजार के लोगों ने समस्या से निजात दिलाने हेतु फीडर को अलग किए जाने की मांग की है।

सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा पर्व पर शिवालयों में उमड़ी आस्था, विशेष ट्रेन का हुआ सजीव प्रसारण

सोनभद्र (स्वास्तिक सहारा)। सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा पर्व के अवसर पर जनपद सोनभद्र के प्रसिद्ध एवं प्राचीन श्री कैलाश मंदिर सहित विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान पूरे क्षेत्र में धार्मिक आस्था और उत्साह का माहौल देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से प्रदेश व जनपद की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। इसी क्रम में मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन से तीर्थ यात्रियों की विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किए जाने के कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट परिसर में सजीव प्रसारण किया गया। जनपद स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रमेश चंद, सहायक पर्यटन अधिकारी राजेश कुमार भारती, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर दिव्यदोष मिश्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में जनमानस उपस्थित रहा। सभी ने इस पहल को प्रदेश सरकार द्वारा धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर जनपद में धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलने के साथ ही श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।

भगवान परशुराम की जयंती धूमधाम से मनाई, श्रद्धालुओं ने किया पूजन-अर्चन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

मिजार्पुर। मिजार्पुर के हलिया विकास खंड अंतर्गत हथेड़ा गांव स्थित गुलाब तिराहा पर अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर भगवान परशुराम जयंती बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। सनातन एकता परिषद के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन केशव प्रसाद के प्रांगण में किया गया, जहां मुख्य संयोजक संतोष कुमार दुबे उर्फ गोरेलाल और पवन दुबे की देखरेख में कार्यक्रम संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि जनार्दन दुबे ने दीप प्रज्ज्वलित कर भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जनार्दन दुबे ने कहा कि वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की अक्षय तृतीया तिथि को भगवान परशुराम जयंती मनाई जाती है, जिसका हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम ने त्रेता युग में अधर्म और अत्याचार के विनाश के लिए अवतार लिया था। वे ज्ञान, तप और शक्ति के प्रतीक माने जाते हैं और अष्ट चिरंजीवियों में शामिल हैं।

कार्यक्रम में भगवान परशुराम के जीवन प्रसंगों पर भी प्रकाश डाला गया। बताया गया कि उनके पिता महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका थीं। भगवान शिव से उन्हें शस्त्र विद्या प्राप्त हुई और परशु (फरसा) धारण करने के कारण वे परशुराम कहलाए। वे वेद, योग और नीति के ज्ञाता होने के साथ-साथ दिव्य अस्त्रों के प्रयोग में भी निपुण थे। इस दौरान धर्मेंद्र दुबे, संदीप दुबे, राजू सिंह, सौरभ दुबे, पत्रकार रमेश शुक्ला, नितिन दुबे, प्रशांत तिवारी उर्फ सीपू तिवारी, रत्नाकर सिंह, धीरेंद्र शुक्ला, मनीष मिश्रा सहित दर्जनों की संख्या में श्रद्धालु एवं सनातन समाज के लोग उपस्थित रहे।

देवरी में मौत का जाल बना धर्म कांटा: लगातार हादसों के बावजूद नहीं जागा प्रशासन, तीन युवकों की गई जान

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

मड़िहान। थाना क्षेत्र के मिजार्पुरङ्ग सोनभद्र मुख्य मार्ग पर देवरी गांव के सामने सड़क किनारे स्थापित विंध्यवासिनी धर्म कांटा अब पूरी तरह ह्मौत का जालह्व बन चुका है। लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बावजूद प्रशासन की अनदेखी ने आखिरकार तीन युवकों की जान ले ली। शनिवार शाम हुए भीषण हादसे में तीन बाइक सवार युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तीनों युवक अडानी ग्रुप की कंपनी में काम करते थे और ड्यूटी खत्म कर अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे देवरी कला गांव के सामने धर्म कांटा के पास पहुंचे, सड़क पर खड़े ट्रकों की लंबी कतार और अव्यवस्थित यातायात के कारण हादसे का शिकार हो गए। यह पहला मामला नहीं है। महज तीन दिन पहले इसी स्थान पर एक डंपर ने कार सवार को टक्कर मार दी थी और मौके से फरार हो गया था। इस घटना के बाद घंटों जाम लगा रहा। हालांकि संयोग अच्छा रहा कि कार सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए थे, लेकिन यह हादसा भी बड़े खतरे की चेतावनी था। इसके अलावा सोमवार को भी एक दुर्घटना में हसरा गांव निवासी जंगली यादव, जो विंध्याचल दर्शन के लिए जा रहे थे, डीजल टैंकर की चपेट में आ गए थे। उस समय उन्हें मामूली चोट आई थी, लेकिन उनकी बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले छह महीनों से धर्म कांटा के कारण भोर से लेकर सुबह 10 बजे तक सड़क पर ट्रकों का जमावड़ा लगा रहता है। इससे रोजाना जाम जैसी स्थिति बनती है और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अब तक यहां आधा दर्जन से अधिक हादसे हो चुके हैं, लेकिन न तो पुलिस ने कोई ठोस कदम उठाया और न ही प्रशासन ने इस गंभीर समस्या को हल करने की कोशिश की। शनिवार को हुई तीन युवकों की मौत के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है।

ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते धर्म कांटा हटाने या ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने की कार्रवाई की गई होती, तो आज तीन जिंदगियां बचाई जा सकती थीं। लगातार हो रही घटनाएं साफ संकेत दे रही हैं कि यह स्थान हादसों का हॉटस्पॉट बन चुका है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अब भी मूकदर्शक बने हुए हैं। अब सवाल यह है कि क्या तीन मौतों के बाद प्रशासन जागेगा, या फिर किसी और बड़े हादसे का इंतजार किया जाएगा।

भारत विकास परिषद नोएडा का गरिमामयी अधिष्ठापन समारोह सम्पन्न

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। भारत विकास परिषद नोएडा शाखा का अधिष्ठापन समारोह गरिमामयी एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आदिरा बैंक्वेट हॉल मे सम्पन्न हुआ। समारोह मे अति विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक पंकज सिंह, आईएएस पूर्व सचिव जे. के. दादू तथा महेश बाबू गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने विधिवत शपथ ग्रहण कर अपने दायित्वों को स्वीकार किया तथा राष्ट्र निर्माण, सामाजिक सेवा एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण हेतु समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता, सचिव अखिलेश भदोरिया, कोषाध्यक्ष अक्षय पारीक, महिला सहभागिता सुनीता मित्तल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यनारायण गोयल आदि रहे एवं नव गठित टीम को सभी ने शुभकामना दी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ने अपने संबोधन में सभी अतिथियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परिषद की नई टीम सेवा, संस्कार एवं समर्पण के मूल मंत्र के साथ कार्य करेगी। उन्होंने सभी से संगठन को और अधिक सशक्त बनाने हेतु सहयोग का आह्वान किया। भारत विकास परिषद नोएडा द्वारा आयोजित यह समारोह संगठन की एकजुटता, सेवा भावना एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस अवसर पर डॉ. टीएन गोविल, प्रताप मेहता, विकास अग्रवाल अध्यक्ष श्री जी गौ सदन, सुशील भारद्वाज महासचिव श्री जी गौसदन, एन के अग्रवाल, संजय बाली, महेश चौहान महानगर अध्यक्ष बीजेपी, केशव गंगल, देवेंद्र गंगल, कुलदीप गुप्ता, मुकेश गुप्ता, रामरतन शर्मा, मनोज गोयल, मधुसूदन दादू, पंकज जिंदल, मुकुल बाजपेयी, डॉ. महेश अग्रवाल, राजीव अजमानी, अरविंद कुमार, मलखान सिंह, डॉ. यतेंद्र राणा, दिनेश तोमर आदि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेला में हुआ मरीजों का इलाज

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

परसपुर/गोण्डा। सीएचसी परसपुर द्वारा संचालित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला के अंतर्गत रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) भौरीगंज में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। डॉ मुकेश गुप्ता ने बताया कि ज्यादातर मरीज सर्दी, जुकाम से पीड़ित थे। अकोहरी निवासी मनीषा को त्वचा संबंधी एलर्जी की दवा दी गई, अकोहरी निवासी राजदेव ने बताया कि डायरिया का उपचार कराने आये थे। डॉ गुप्ता ने बताया कि आरोग्य मेले में लगभग 15 मरीजों का इलाज कर दवाएं वितरित की गईं। इस अवसर पर फार्मासिस्ट अनूप सिंह, दीनानाथ, अतिबल आदि रहे।

मानव तस्करी गिरोह का पदार्फाश, वांछित आरोपी गिरफ्तार

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। जनपद में मानव तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना रॉबर्ट्सगंज एवं एएचटी (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग) पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक संगठित मानव तस्करी गिरोह का पदार्फाश करते हुए वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। थाना एएचटी प्रभारी माधव सिंह एवं प्रभारी निरीक्षक रॉबर्ट्सगंज रामस्वरूप वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान शिव सिंह उर्फ रामलाल (45 वर्ष) निवासी धवलपुर, राजस्थान के रूप में हुई है। उसे 18 अप्रैल 2026 को ग्राम पवर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई थाना रॉबर्ट्सगंज में दर्ज गंभीर धाराओं एवं पॉक्सो एक्ट से संबंधित मामले में की गई। पूछताछ में आरोपी ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसने बताया कि उसने एक नाबालिग/युवती को काम दिलाने का झांसा देकर अपने साथ ले गया था। इसके बाद उसे विभिन्न स्थानों से होते हुए आगरा और अलीगढ़ ले जाकर अन्य साथियों के साथ मिलकर करीब 1.20 लाख रुपये में बेच दिया। पीड़िता को अलग-अलग जगहों पर रखा गया, जहां उसके साथ जबरन शारीरिक शोषण किया गया, जिससे वह गर्भवती हो गई।

पुलिस के अनुसार, यह पूरा मामला एक संगठित गिरोह से जुड़ा है, जिसमें कई अन्य आरोपी भी शामिल हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है। इस कार्रवाई में एएचटी प्रभारी माधव सिंह, उपनिरीक्षक रणजीत सिंह, हेड कांस्टेबल अमरजीत यादव एवं धनंजय यादव सहित पुलिस टीम शामिल रही। पुलिस की इस सफलता से मानव तस्करी जैसे गंभीर अपराधों पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मिशन शक्ति के तहत एंटीरोमियो टीम ने महिलाओं को किया जागरूक

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

परसपुर/गोण्डा। पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार रविवार को चौपाल लगाकर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया गया। प्रभारी थानाध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि थाने की एंटी रोमियो टीम ने रविवार को वनवरिया में महिलाओं,बालिकाओं को महिला अपराधों के प्रति जागरूक किया। परसपुर थाना के एंटी रोमियो टीम के प्रभारी उपनिरीक्षक अमन कनौजिया ने बताया कि महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने महिलाओं को कन्या सुमंगला योजना, बेटी पढ़ाओ-बेटी बढ़ाओ सहित अन्य योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित करते हुए 181,112,108,1930 आदि विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरो के बारे में जागरूक किया।

दादरी सादोपुर में संगठन विस्तार

विकास गुर्जर ने थामा भाकियू टिकैत का हाथ

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

दादरी। भारतीय किसान यूनियन की एक महत्वपूर्ण किसान संगोष्ठी का आयोजन ग्राम सादोपुर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी सतपाल बेसोया ने एवं संचालन रोहित बैसोया द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुभाष चौधरी, एनसीआर अध्यक्ष परविंदर अवाना, नोएडा जिलाध्यक्ष अशोक भाटी, दादरी जिलाध्यक्ष मनोज मावी, झलकेस बाबूजी चरनसिंह भाटी सहित अन्य प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। किसानों से संबंधित समस्याओं पर वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए किसानों की आवाज को मजबूती से उठाने का संकल्प लिया। सुभाष चौधरी ने जल्द ही तीनों प्राधिकरणों के खिलाफ आंदोलन की शुरूआत करने की बात कही। संगठन विस्तार के क्रम में विकास गुर्जर ने भाकियू भानु को छोड़कर बाबा टिकैत में आस्था व्यक्त करते हुए अपनी पूरी टीम के साथ भाकियू टिकैत संगठन की सदस्यता ग्रहण की। ग्राम आगमन पर ग्रामवासियों द्वारा ढोल-ताशे बजाकर एवं पुष्प वर्षा कर सभी का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान भरत सिंह, योगेश कुमार, मदन बेसोया, अनिल गुर्जर, लव बेसोया, सुंदर बीडीसी, पीतम सिंह बीडीसी, वीरपाल सिंह, बलराज पहलवान, राम मेहर बेसोया, अमित बेसोया, महकर सिंह, अजय बेसोया सहित अन्य लोगों ने भी संगठन की सदस्यता ग्रहण की। सभी को जिलाध्यक्ष अशोक भाटी एवं मनोज मावी द्वारा टोपी पहनाकर संगठन की सदस्यता दिलाई गई। कार्यक्रम में रविंद्र भगत, सुंदर बाबा, महेश खटाना, सुधीर भाटी, विपिन प्रधान, गजेंद्र रेक्सवाल, प्रमोद टाइगर, संजय अंबावता, विपिन तंवर, राकेश लोहिया, संदीप अवाना, अमित अवाना, अजय गुर्जर, नरेश शर्मा, नितिन भाटी, अजेश भाटी, दीपक भाटी, टीनू भाटी, अनूप नागर, आजाद सैफी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में सभी लोगों ने एकजुट होकर गौतम बुद्ध नगर के किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु तीनों प्राधिकरणों के साथ संघर्ष करने का आह्वान किया।

बिना मान्यता के संचालित शिक्षण संस्थानों पर सख्ती, नोटिस जारी होते ही मचा हड़कंप

शिक्षा विभाग की कार्रवाई, चार विद्यालयों को जारी हुआ नोटिस

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

राजगढ़, मिजार्पुर। स्थानीय विकासखंड राजगढ़ क्षेत्र में बिना मान्यता के संचालित प्राथमिक एवं जूनियर स्तर के शिक्षण संस्थानों के विरुद्ध शिक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। इस क्रम में चार विद्यालयों के प्रबंधक/प्रधानाचार्यों को नोटिस जारी किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्रीमती सुधना देवी कन्या जूनियर हाई स्कूल ददरा मुतलके रामपुर, ज्ञान गंगा पब्लिक स्कूल बसंतपुर, पीएनएसएसडी पब्लिक स्कूल जंगल महाल तथा धुरकर में संचालित एक बिनानाम के विद्यालय को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मिजार्पुर अनिल कुमार वर्मा के निर्देश पर खण्ड शिक्षा अधिकारी राजगढ़ संजय कुमार यादव द्वारा शनिवार को लिखित नोटिस उपलब्ध कराया गया। नोटिस मिलते ही सम्बन्धित विद्यालय संचालकों में हड़कंप की स्थिति उत्पन्न हो गई। नोटिस में स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि बिना मान्यता के विद्यालय संचालन जारी रखने पर एक लाख रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। यह कृत्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई एक्ट 2009) का उल्लंघन माना जाएगा। इसके साथ ही संबंधित तहसील के उप जिलाधिकारी एवं थाना प्रभारियों को भी आवश्यक कार्रवाई हेतु आदेश की प्रति प्रेषित कर दी गई है, जिससे आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। शिक्षा विभाग की इस सख्त कार्रवाई से गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों में खलबली मच गई है। वहीं, अभिभावकों एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

सोनभद्र: गौ तस्करी पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एक अभियुक्त गिरफ्तार, दो गोवंश हुए बरामद

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। जिले में गौ तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना रामपुर बरकोनिया पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से दो गोवंश सकुशल बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल और क्षेत्राधिकारी सदर राज सोनकर के पर्यवेक्षण में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 19 अप्रैल 2026 की रात करीब 1 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम बरकोनिया स्थित पुराने पंचायत भवन के पास पुलिया से अभियुक्त को दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान संजय ठाकुर पुत्र गोरख ठाकुर निवासी हुसरु, थाना खरौंधी, जनपद गढ़वा (झारखंड) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में दिनारी गांव, थाना रामपुर बरकोनिया में रह रहा था।

पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ थाना रामपुर बरकोनिया में मु0अ0सं0 41/26, धारा 3/5ए/5बी/8 उत्तर प्रदेश गौ हत्या निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय भेज दिया है। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रामनिवास यादव और कांस्टेबल दीपक मिश्र शामिल रहे।

भारत रत्न बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के उपलक्ष में 'जश्न-ए-भीमोत्सव' का हुआ भव्य आयोजन

समाज कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश के मंत्री असीम अरुण मुख्य अतिथि के रूप में रहे उपस्थित

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्धनगर। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में नोएडा स्थित पुस्तकालय एवं दलित उत्थान सेवा समिति द्वारा ह्यजश्न-ए-भीमोत्सवह्व का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। देर रात्रि तक चले इस कार्यक्रम में सामाजिक एकता, जागरूकता और समर्पण का अद्भुत संगम देखने को मिला। बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग के मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि नोएडा के विधायक पंकज सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। आयोजन स्थल पर पूरे समय उत्साह और ऊर्जा का माहौल बना रहा। मुख्य अतिथि असीम अरुण ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे डॉ. अंबेडकर के विचारों को अपने जीवन में उतारें और समाज में समरसता एवं समानता की भावना को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने हमें संविधान के माध्यम से जो अधिकार दिए हैं, उनकी रक्षा करना और उन्हें सही दिशा में उपयोग करना हम सभी की जिम्मेदारी है। शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे समाज को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। वहीं विधायक पंकज सिंह ने भी अपने संबोधन में कहा कि 'जश्न-ए-भीमोत्सव' केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का सशक्त मंच है। उन्होंने युवाओं को विशेष रूप से प्रेरित करते हुए कहा कि वे बाबा साहब के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि समाज में जागरूकता और संगठन ही विकास की सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, विचार गोष्ठियों और सामाजिक संदेशों के माध्यम से बाबा साहब के जीवन दर्शन को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर मातृशक्ति की सक्रिय भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही, जिन्होंने पूरे आयोजन को और भी प्रेरणादायक बना दिया। आयोजन में उपस्थित जनसमूह ने सामाजिक समरसता, समानता और शिक्षा के महत्व को लेकर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि जब समाज एकजुट होकर आगे बढ़ता है, तो सकारात्मक परिवर्तन संभव होता है। अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया गया। साथ ही भविष्य में भी ऐसे जनजागरण एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प लिया गया, ताकि बाबा साहब के विचारों को और व्यापक स्तर पर फैलाया जा सके।